साप्ताहिक

आरएनआई न. :- जेकेएचआईएन/25/ए0631

सबका जम्मू कश्मीर

हिन्दी • वर्ष: 2 • अंक: 19 • कठुआ, शनिवार 09 मई , 2026 • पृष्ठ: 16 • मूल्य: 5 रूपए

भारत के पहले गांव, आखिरी नहीं : एलजी ने कहा कि बॉर्डर देश की रीढ़ की हड्डी है

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा सिन्हा ने बुधवार को देश की सीमा को ष्भारत की रीढ़ष बताया और कहा कि वहां के गांव साहस और लचीलेपन की समृद्ध परंपरा के वारिस हैं।

लेफ्टिनेंट गवर्नर सांबा जिले के बॉर्डर गांव रेगल के अपने दौरे के दौरान एक पब्लिक रैली को संबो. धित कर रहे थे, जहां उन्होंने कई डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और नींव रखी।

परियोजनाओं में सरकारी प्राथमिक विद्यालय रीगल में एक डिजिटल पुस्तकालय की स्थापना, एक सामुदायिक हॉल–सह–मनोरंजन केंद्र का निर्माण, अमृत का विकास शामिल है सरोवर , ड्रेनेज चौनल, तीन ओपन जिम और सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने का काम शामिल है।

ष्हमारे सीमावर्ती गांव साहस और दृढ़ता की समृद्ध परंपरा के उत्तराधिकारी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सिन्हा ने कहा, ष मोदी , हमने कहानी बदल दी है। ये अब भारत के श्आखिरी गांवश नहीं हैं; ये हमारे श्पहले गांवश हैं।

स्ळ ने कहा कि एडमिनिस्ट्रेशन बॉर्डर पर बसी बस्तियों को ष्नज़रअंदाज़ किए जाने के दायरे से निकालकर देश की तरक्की में सबसे आगे लानेष के

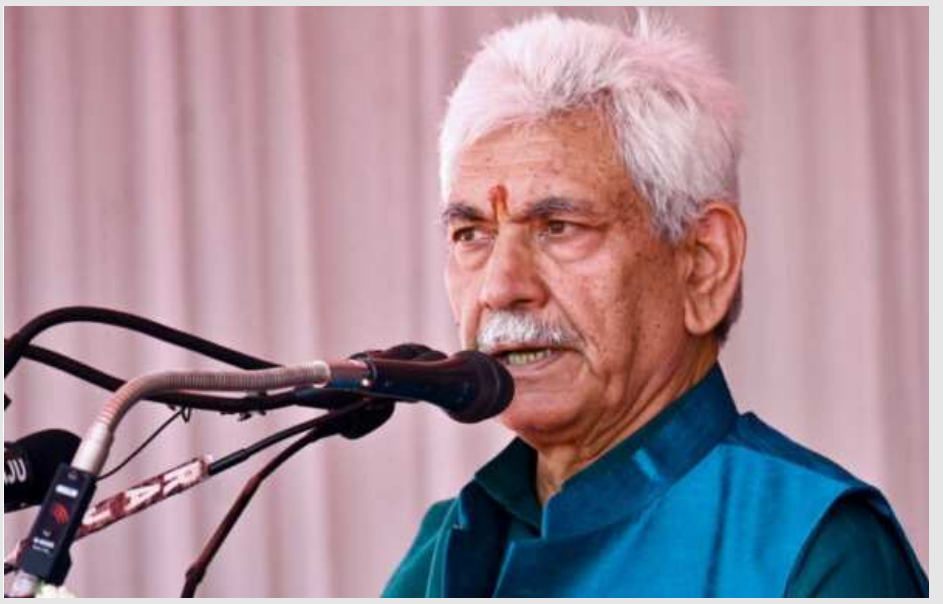

लिए पक्का इरादा रखता है।

उन्होंने कहा, ष्गील जैसे बॉर्डर के गांव भारत की रीढ़ हैं। हमारा शानदार इतिहास इन बॉर्डर के गांवों के मुश्किल रास्तों पर बना है। हम हर बॉर्डर गांव के परिवार की इज्ज़त की रक्षा करने के लिए कमिटेड हैं, यह पक्का करते हुए कि जिन लोगों को सबसे ज़्यादा नज़रअंदाज़ किया गया है, उन्हें अब जम्मू–कश्मीर की तरक्की के नए दौर में सबसे ज़्यादा प्राथमिकता दी जाए।ष

स्ळ ने बताया कि सरकार वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के तहत एक पूरी स्ट्रेटेजी लागू कर रही है , जिसका मकसद बॉर्डर पर रहने वाले लोगों को देश की मेनस्ट्रीम में शामिल करना है, जिसमें रोज़ी–रोटी कमाने, इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी पर फोकस किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इस प्रोग्राम का मकसद मौजूदा स्कीम के नियमों के तहत कन्वर्जेंस के ज़रिए चार थीम वाले एरिया – ऑल–वेदर रोड कनेक्टिविटी, टेलीकॉम कनेक्टिविटी, टेलीविज़न कनेक्टिविटी और इलेक्ट्रिफिकेशन – के सभी गांवों को शामिल करना है। उन्होंने कहा, ष्यह पक्का करने की पूरी कोशिश की जा रही है कि हर नागरिक की उम्मीदें पूरी हों, बॉर्डर पर रहने वालों की विकास की मांगें पूरी हों। इसके अलावा, श्पूरी सरकार का नज़रियाश अपनाकर, हमारा मकसद यह पक्का करना है कि वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के तहत तय हर टारगेट पूरा हो। सिन्हा ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे यह पक्का करें कि बॉर्डर के गांवों के हर घर में बिजली, मोबाइल कनेक्टिविटी और आर्थिक आज़ादी हो। उन्होंने कहा, हमें यह पक्का करना होगा कि 2030 तक सांबा के बॉर्डर वाले गांवों में एक भी परिवार गरीबी रेखा से नीचे न रहे।

रामगढ़ डस। की उठाई गई मांगों पर जवाब देते हुए , स्ळ ने दोहराया कि एडमिनिस्ट्रेशन पाकिस्तान के कब्ज़े वाले जम्मू और कश्मीर और वेस्ट पाकिस्तान रिफ्यूजी से आए बेघर लोगों को ज़मीन का मालिकाना हक देने के लिए कमिटेड है। शाहपुर का निर्माण पूरा हो गया है। कंडी डैम से इलाके की खेती की पैदावार को बहुत बढ़ावा मिलेगा। सिन्हा ने रीगल के ज्ठ–फ़री गांव

■ शेष पेज 2...

मुख्यमंत्री ने बजट घोषणाओं के कार्यान्वयन की स्थिति की समीक्षा की, लक्ष्यों और प्रमुख पहलों की समयबद्ध प्राप्ति के निर्देश दिए

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : 2026–27 के दौरान लागू होने वाली बजट घोषणाओं के अनुवर्ती कार्रवाई के रूप में, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आज सिविल सचिवालय में एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें जम्मू–कश्मीर के लोगों के लिए कल्याणकारी उपायों की समयबद्ध डिलीवरी पर विशेष ध्यान देते हुए प्रमुख बजट पहलों के कार्यान्वयन में तेजी लाने का उद्देश्य रखा गया। प्रारंभ में, अतिरिक्त मुख्य सचिव, वित्त, शैलेंद्र कुमार ने मुख्यमंत्री को विभिन्न अनुदाना. के तहत विभिन्न विभागों में बजट घोषणाओं की स्थिति और विभागों द्वारा प्रस्तुत स्थिति के बारे में जानकारी दी।

प्रशासनिक सचिवों ने मुख्यमंत्री को अब तक की प्रगति और बजट प्रस्तावों के कार्यान्वयन में अपने–अपने विभागों द्वारा की गई कार्रवाई के बारे में जानकारी दी।

बैठक के दौरान जिन विभागों की समीक्षा की गई उनमें सामान्य प्रशासन, योजना, विकास एवं निगरानी, घ्घ्सूचना, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, विद्युत विकास, स्कूली शिक्षा, विधि, न्याय एवं संसदीय कार्य, वित्त, कृषि उत्पादन, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले, संस्कृति, लोक निर्माण, जल शक्ति और आवास एवं शहरी विकास शामिल थे।

विचार–विमर्श के दौरान, मुख्यमंत्री ने कार्यान्वयन में तेजी लाने, अंतर–विभागीय समन्वय को मजबूत करने और समय–सीमा का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कई निर्देश जारी किए। उन्होंने दक्षता, पारदर्शिता और जन कल्याण पर ध्यान केंद्रित करते हुए, बजट घोषणाओं को जमीनी स्तर पर ठोस परिणामों में बदलने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने निधि और संसाधन आवंटन के संदर्भ में सभी क्षेत्रों में समान विकास का आह्वान भी किया।

विकास और सुशासन के प्रति

■ शेष पेज 2...

डॉ. जितेंद्र ने प्रयागराज रक्षा संगोष्ठी को संबोधित किया और रक्षा उत्पादन में 174 प्रतिशत की वृद्धि पर प्रकाश डाला

सबका जम्मू कश्मीर

प्रयागराज : विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान और प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज कहा कि भारत अपनी रक्षा यात्रा के एक निर्णायक चरण में प्रवेश कर चुका है, जहां प्रौद्योगिकी, स्वदेशी नवाचार और निजी क्षेत्र की भागीदारी देश को एक नई वैश्विक पहचान दे रही है। प्रयागराज में आयोजित नॉर्थ टेक सिम्पोजियम 2026 को संबो. धित करते हुए मंत्री ने कहा कि युद्ध अब केवल शारीरिक शक्ति से ही परिभाषित नहीं होता, बल्कि उन्नत प्रौद्योगिकियों, वास्तविक समय डेटा प्रणालियों और स्वचालित प्लेटफार्मों द्वारा संचा. लित होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस परिवर्तन ने भारत की परिचालन क्षमताओं और वैश्विक स्थिति को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाया है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि पिछले दशक में, भारत रक्षा उपकरणों के एक प्रमुख आयातक से एक उभरते निर्यातक के रूप में उभरा है, जहां रक्षा उत्पादन 1.54 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जो एक दशक में 174: की वृद्धि दर्ज करता है, और निर्यात वृद्धि 23,622 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है, जो एक दशक में 34 गुना वृद्धि दर्ज करती है।

मंत्री जी ने कहा कि कुल निर्यात में निजी क्षेत्र का योगदान लगभग 15,000 करोड़ रुपये रहा है, जो रक्षा विनिर्माण में सहयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है।

सरकार से मिल रहे बढ़ते समर्थन का जिक्र करते हुए मंत्री जी ने कहा कि मौजूदा बजट 2026–27 में इसके लिए 681,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 9.5: अधिक है। भारत के बढ़ते तकनीकी आधार का जिक्र

■ शेष पेज 2...

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

शेष पेज 1 से.....

भारत के पहले...

बनने की तारीफ़ की और साफ़ पीने के पानी और ड्रग्स के गलत इस्तेमाल के ख़िलाफ़ मिलकर लड़ने के लिए लगातार ध्यान रखने की अपील की।

उन्होंने स्पेशल पुलिस अधिकारियों को अपॉइंटमेंट ऑर्डर और गांव के अलग-अलग युवाओं और होलिस्टिक एग्रीकल्चर डेवलपमेंट प्रोग्राम , मिशन युवा और दूसरी स्कीमों के तहत बेनिफिशियरी को सैंक्शन लेटर भी दिए।

रीगल बॉर्डर आउट पोस्ट के अपने दौरे के दौरान, स्ळ ने जवाना. ˇ से बातचीत की और देश की सीमाओं की रक्षा में उनके पक्के इरादे की तारीफ़ की, और ऑपरेशन सिंदूर में उनकी शानदार भूमिका की तारीफ़ की ।

डॉ. जितेंद्र ने प्रयागराज...

करते हुए मंत्री जी ने कहा कि अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और क्वांटम प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्र अब रक्षा तैयारियों के अभिन्न अंग हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने क्वांटम-सुरक्षित संचार क्षमताओं में पहले ही तीव्र प्रगति हासिल कर ली है, जो भविष्य की युद्ध प्रणालियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि प्रमुख क्षेत्रों में सुधारों ने उद्योग की भागीदारी के लिए नए अवसर खोले हैं, जिससे नवाचार चक्र तेज हो रहे हैं और स्वदेशी प्रौद्योगिकियों का विस्तार हो रहा है। उन्होंने आगे कहा कि वित्तपोषण तंत्र और नीतिगत पहलों के माध्यम से सरकारी समर्थन अनुसंधान, विकास और तैनाती के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कर रहा है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने समन्वय के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि सशस्त्र बलों की परिचालन आवश्यकताओं को वैज्ञानिक अनुसंधान और औद्योगिक क्षमता के साथ संरेखित करना एक मजबूत और आत्मनिर्भर रक्षा प्रणाली के निर्माण के लिए आवश्यक है। उन्होंने विश्वसनीयता, विस्तारशीलता और दीर्घकालिक स्थायित्व पर ध्यान केंद्रित करते हुए डिजाइन से तैनाती तक की समयसीमा को तेज करने का आह्वान किया।

मंत्री ने सशस्त्र बलों की बदलती भूमिका के बारे में भी बात की और राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ-साथ आपदा राहत और मानवीय सहायता में उनके महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित करते हुए हाल के उन उदाहरणों का उल्लेख किया जहां समय पर हस्तक्षेप से लोगों की जान बचाई गई। प्रयागराज में 4 से 6 मई तक आयोजित हो रहे नॉर्थ टेक सिम्पोजियम 2026 का विषय है "रक्षा त्रिवेणी संगम – जहां प्रौद्योगिकी, उद्योग और सैन्य कौशल का संगम होता है"। इस कार्यक्रम का आयोजन भारतीय सेना की उत्तरी और केंद्रीय कमानों द्वारा सोसाइटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स (एसआईडीएम) के सहयोग से संयुक्त रूप से किया जा रहा है।

यह सिम्पोजियम सशस्त्र बलों, उद्योग, शिक्षा जगत और स्टार्टअप्स को एक साथ लाने वाला एक प्रमुख मंच है, जिसका उद्देश्य बदलती परिचालन आवश्यकताओं के लिए मिशन-उन्मुख स्वदेशी समाधान विकसित करना है। प्रमुख फोकस क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मानवरहित प्रणालियां, ड्रोन-रोधी प्रौद्योगिकियां, रोबोटिक्स, साइबर और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध, संचार प्रणालियां, गतिशीलता प्लेटफॉर्म और उच्च-ऊंचाई परिचालन सहायता शामिल हैं।

इस कार्यक्रम में 280 से अधिक उद्योग भागीदार भाग ले रहे हैं, जिनमें 284 प्रदर्शनी स्टॉल अत्याधुनिक रक्षा प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन कर रहे हैं। कार्यक्रम में लाइव प्रदर्शन, संरचित संवाद और व्यक्तिगत बैठकों, सम्मेलनों और प्रौद्योगिकी प्रदर्शनों के माध्यम से व्यापक हितधारक सहभागिता शामिल है, जिसका उद्देश्य स्वदेशी क्षमता विकास को गति देना है।

इस कार्यक्रम में उत्तरी और मध्य कमानों के वरिष्ठ सेना कमांडरों, सशस्त्र बलों के वरिष्ठ अधिकारियों, एसआईडीएम के प्रतिनिधियों, प्रमुख उद्योग हितधारकों, वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों और रक्षा एवं उन्नत प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में कार्यरत स्टार्टअप्स ने भाग लिया।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि रक्षा क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता की आकांक्षा तकनीकी संप्रभुता पर आधारित है, जिसका मुख्य उद्देश्य देश के भीतर महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों का विकास, स्वामित्व और संरक्षण करना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सशस्त्र बलों, उद्योग और अनुसंधान संस्थानों के बीच सहयोगात्मक प्रयासों से भारत एक अग्रणी रक्षा प्रौद्योगिकी राष्ट्र के रूप में तेजी से उभरेगा।

उन्होंने कहा कि नॉर्थ टेक संगोष्ठी के परिणाम भारत की रक्षा तैयारियों को मजबूत करने और भविष्य की युद्धक्षेत्र आवश्यकताओं के लिए स्वदेशी नवाचार को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

मुख्यमंत्री ने बजट...

सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को प्रगति की बारीकी से निगरानी करने और बाधाओं को दूर करने का निर्देश दिया ताकि बजट प्रावधानों का लाभ जनता तक समय पर पहुंच सके।

बैठक में उपमुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार चौधरी; मंत्री सकीना इटू, जावेद राणा, जाविद डार और सतीश शर्मा; मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी; मुख्य सचिव अटल दुल्लू; मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव धीरज गुप्ता, जल शक्ति, लोक निर्माण और वित्त के अतिरिक्त मुख्य सचिवों के अलावा सभी प्रशासनिक सचिव, वित्त विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, विभागाध्यक्ष और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

उमर अब्दुल्ला ने नेशनल कांग्रेस के विधायकों के दल-बदल की योजना बनाने के पीडीपी के दावों को खारिज कर दिया

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को पीडीपी सांसद वहीद पारा के उस दावे को सिरे से खारिज कर दिया, जिसम. ˇ कहा गया था कि नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के कुछ विधायक पार्टी छोड़ने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने इन दावों को पूरी तरह निराधार और भ्रामक बताते हुए कहा कि एनसी के भीतर किसी भी प्रकार का असंतोष नहीं है और पार्टी पूरी तरह एकजुट है। उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के तंगमर्ग में एक कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने पीडीपी पर अफवाहें फैलाने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि इस तरह की बातें केवल राजनीतिक भ्रम पैदा करने के लिए कही जा रही हैं और इनमें कोई सच्चाई नहीं है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि एनसी का कोई भी विधायक पार्टी छोड़ने वाला नहीं है और न ही ऐसा कोई माहौल पार्टी के भीतर मौजूद है।

अब्दुल्ला ने कहा, "अगर वास्तव में हमारे विधायक पार्टी छोड़ने की तैयारी कर रहे होते, तो क्या मैं इस तरह के कार्यक्रमों में हिस्सा ले रहा होता? ये सारी बातें मनगढ़ंत हैं। ये वही लोग हैं जिन्होंने राज्यसभा चुनावों में भाजपा की मदद की थी। यह हम नहीं कह रहे हैं, बल्कि यह जानकारी सूचना के अधिकार से सामने आई है।

हमारी पार्टी में ऐसा कोई विधायक नहीं है जो भाजपा का समर्थन करने के लिए एनसी छोड़ देगा।"

मुख्यमंत्री ने जिस सूचना के अधिकार के खुलासे का जिक्र किया, उसमें यह सामने आया था कि पीडीपी ने पिछले वर्ष राज्यसभा चुनावों के दौरान अपना मुख्य प्रतिनिधि नियुक्त नहीं किया था। इसके चलते जम्मू-कश्मीर भाजपा प्रमुख सत शर्मा को सीट हासिल करने में मदद मिली, जबकि भाजपा के पास आवश्यक संख्या बल नहीं था। इस मुद्दे को उठाते हुए अब्दुल्ला ने पीडीपी पर अप्रत्यक्ष रूप से भाजपा को फायदा पहुंचाने का आरोप लगाया। इससे पहले, पीडीपी सांसद वहीद पारा ने सोशल मीडिया मंच पर एक पोस्ट के जरिए दावा किया था कि एनसी के भीतर आंतरिक असंतोष बढ़ रहा है और पार्टी के कुछ विधायक पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती के संपर्क में हैं।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शोपियां स्थित एक प्रमुख धार्मिक-आधुनिक शिक्षण संस्थान, जामिया सिराज-उल-उलूम, को गैरकानूनी संस्था घोषित किए जाने के मुद्दे पर चुप्पी साध रखी है।

इन आरोपों का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वे किसी अन्य राजनीतिक दल के निर्देशों पर काम नहीं करते हैं। उन्होंने कहा, "जब मुझे किसी मुद्दे पर बोलना होता है, तो मैं खुलकर बोलता हूं। न तो मेरी सरकार चुप है और न ही मैं। जब भी कोई ऐसा विषय सामने आता है जिस पर प्रतिक्रिया देना आवश्यक होता है, हम सरकार या पार्टी के स्तर पर अपनी बात रखते हैं।"

पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणामों और मतदाता सूची से जुड़े विवाद पर पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में अब्दुल्ला ने चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जाने की बात सामने आई है और अदालत ने इस मामले की सुनवाई चुनाव के बाद करने की बात कही है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब चुनाव प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और प्रभावित मतदाता मतदान से वंचित रह गए हैं, तो बाद में सुनवाई का क्या लाभ होगा। उन्होंने कहा कि अगर किसी पार्टी को जीत हासिल करने के लिए ऐसे कदम उठाने पड़े हैं, तो यह चिंता का विषय है और इसके प्रभावों का आकलन करना आवश्यक होगा।

मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर पूछे गए सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मुद्दे को लेकर अनावश्यक अटकलें लगाई जा रही हैं। उन्होंने कहा, "आप लोग इस विषय को लेकर इतना चिंतित क्यों हैं? जब समय आएगा, तब निर्णय लिया जाएगा।" उन्होंने संकेत दिया कि सरकार इस विषय पर उचित समय पर विचार करेगी।

पर्यटन के मुद्दे पर बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले वर्ष पहलगाम में हुए हमले के बाद जिन पर्यटन स्थलों को बंद किया गया था, उन्हें चरणबद्ध तरीके से फिर से खोला जा रहा है।

उन्होंने बताया कि इस विषय पर विधानसभा में भी चर्चा हो चुकी है और कई स्थानों को पहले ही पर्यटकों के लिए खोल दिया गया है।

जो स्थान अभी बंद हैं, उन्हें भी धीरे-धीरे खोलने की प्रक्रिया जारी है।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सरकार का प्रयास है कि प्रदेश में पर्यटन गतिविधियों को पुनर्जीवित किया जाए, ताकि स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल सके। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए ही सभी निर्णय लिए जा रहे हैं।

कुल मिलाकर, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने स्पष्ट किया कि एनसी के भीतर किसी प्रकार का कोई संकट नहीं है और पार्टी पूरी तरह मजबूत स्थिति में है। उन्होंने विपक्ष के आरा. ˋपों को खारिज करते हुए कहा कि राज्य में स्थिरता और विकास को प्राथमिकता दी जा रही है।

फारूक अब्दुल्ला का कहना है कि सिंदूर अभियान से लाभ हुआ, लेकिन युद्ध टिकाऊ नहीं है

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा कि श्ऑपरेशन सिंदूरश सफल रहा है, लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि "युद्ध समाधान नहीं लाते, केवल दुख लाते हैं"।

"ऑपरेशन सिंदूर सफल रहा है। मुझे लगता है कि अब युद्ध का कोई सवाल ही नहीं उठता। युद्ध समाधान नहीं लाते, वे केवल दुख लाते हैं। यूक्रेन और वहां हुई तबाही को देखिए, मध्य पूर्व को देखिए। यहां गैस (आपूर्ति) की स्थिति देखिए। कतर को गैस आपूर्ति बहाल करने में एक या दो साल लगेंगे," अब्दुल्ला ने यहां पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों से कहा।

खाड़ी देशों की स्थिति के बारे में एक अन्य प्रश्न के उत्तर में, पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया युद्ध के लिए तैयार नहीं है, क्योंकि मौजूदा आर्थिक स्थिति खराब है। "घबराइए मत, दुनिया युद्ध के लिए तैयार नहीं है। हर देश की आर्थिक स्थिति पहले से ही खराब है, और कोई भी देश युद्ध नहीं चाहता। मध्य पूर्व में अधिकांश तेल और गैस भंडार हैं, और यदि दबाव जारी रहा, तो दुनिया की स्थिति इतनी खराब हो जाएगी कि जीवित रहना मुश्किल हो जाएगा," उन्होंने आगे कहा।

हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव परिणामों के बारे में पूछे जाने पर, राष्ट्रीय कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि वे भी परिणामों को बाकी सभी की तरह ही देख रहे हैं।

उन्होंने कहा, "मैं कैसे देखूंगा, मैं भी इसे वैसे ही देख रहा हूं जैसे आप देख रहे हैं। परिणाम आ गए हैं, ममता बनर्जी (परिणाम) इसे स्वीकार नहीं कर रही हैं, उनका कहना है कि बड़े पैमाने पर धांधली हुई है। बंगाल में यही स्थिति है। तमिलनाडु में नई सरकार बन रही है। केरल में कांग्रेस जीती, असम में भाजपा जीती। और क्या है?"

जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें चुनावों में मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) का कोई प्रभाव दिखाई देता है, तो अब्दुल्ला ने कहा, "हर चीज का प्रभाव पड़ा है।" उन्होंने यह भी कहा कि विपक्षी इंडिया ब्लॉक पहले से ही मजबूत है और इसमें कोई कमी नहीं है।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुलमर्ग में जम्मू-कश्मीर केबल कार निगम के निकाय की अध्यक्षता की

सबका जम्मू कश्मीर

गुलमर्ग : मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आज गुलमर्ग कन्वेंशन सेंटर में जम्मू–कश्मीर केबल कार निगम के निदेशक मंडल की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान, जम्मू–कश्मीर केबल कार निगम के प्रबंध निदेशक ने विस्तृत एजेंडा प्रस्तुत किया और निगम की प्रमुख परियोजनाओं और पहलों पर एक व्यापक प्रस्तुति दी। एजेंडा के बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

बोर्ड ने गुलमर्ग गोंडोला परियोजना के उन्नयन पर विचार–विमर्श किया, जिसका उद्देश्य महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण के माध्यम से इसकी वहन क्षमता, परिचालन दक्षता और सुरक्षा मानकों को बढ़ाना है। मुख्यमंत्री ने बढ़ते पर्यटन प्रवाह को देखते हुए परियोजनाओं के समय पर क्रियान्वयन, आधुनिक प्रौद्योगिकी को अपनाने और उच्च सुरक्षा मानकों के पालन पर जोर दिया। उन्होंने स्थानीय अर्थव्यवस्था को और बढ़ावा देने के लिए पर्यटन बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के महत्व को रेखांकित किया।

बैठक में मुख्यमंत्री के सलाहक. ार नासिर असलम वानी; मुख्य सचिव अटल दुल्लू; मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव धीरज गुप्ता; पर्यटन के अतिरिक्त मुख्य सचिव आशीष चंद्र वर्मा; जम्मू–कश्मीर पर्यटन विकास निगम की प्रबंध निदेशक श्रेया सिंघल उपस्थित थीं। कश्मीर पर्यटन निदेशक/जम्मू–कश्मीर केबल कार निगम के प्रबंध निद. शक, सैयद सज्जाद कमर; जम्मू पर्यटन निदेशक, विकास गुप्ता; बजट महानिदेशक; गुलमर्ग विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारी।

जम्मू में कश्मीरी पंडितों ने एनएफएसए के एकीकरण के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया, पुलिस के साथ मामूली झड़प हुई

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : विस्थापित कश्मीरी पंडितों ने बुधवार को जम्मू और कश्मीर प्रशासन द्वारा उनके राहत राशन को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) में एकीकृत करने के कदम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। राहत आयुक्त कार्यालय की ओर मार्च करने के प्रयास में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच मामूली झड़पें हुईं।

इस कदम को उनके प्रवासी और नरसंहार पीड़ित दर्जे को कमजोर करने की ष्साजिशष बताते हुए, प्रदर्शनकारियों ने निर्णय वापस न लिए जाने पर आंदोलन को तेज करने की शपथ ली।

प्रशासन जम्मू में कश्मीरी पंडितों (केपी) सहित प्रवासी राशन कार्डों को एनएफएसए डेटाबेस में एकीकृत कर रहा है। यह प्रक्रिया 2026 की शुरुआत में शुरू हुई थी। अप्रैल 2026 तक, अधिकारियों ने बताया कि 17,500 से अधिक प्रवासी राशन कार्ड एकीकृत किए जा चुके हैं, और अंततः 50,000 से अधिक परिवारों को व्यापक सामाजिक कल्याण योजनाओं तक पहुंच प्रदान करने के लिए शामिल किया जाएगा। विस्थापित समुदाय के सैकड़ों सदस्य, जिनमें यूनाइटेड अलायंस ऑफ कश्मीरी डिस्प्लेस्ड कम्युनिटी, पनुन कश्मीर और विभिन्न प्रवासी शिवि. रों के निवासी शामिल थे, विरोध मार्च में शामिल हुए, जिसे शिवसेना का भी समर्थन प्राप्त था।

जगती, पुरखू, नग्रोटा और मुठी प्रवासी शिविरों के निवासियों सहित प्रदर्शनकारी राहत आयुक्त कार्यालय के बाहर सड़क पर जमा हुए और एनएफएसए के कार्यान्वयन के खिलाफ नारे लगाए। अधिकारियों ने बताया कि

जब उन्होंने कार्यालय की ओर बढ़ने की कोशिश की, तो भारी पुलिस बल ने उन्हें रोक दिया, जिससे दोनों पक्षों के बीच संक्षिप्त झड़प और धक्का–मुक्की हुई।

पुलिस ने बाद में भीड़ को तितर–बितर कर दिया। इसके बाद, प्रदर्शनकारियों ने धरना दिया और सरकार विरोधी नारे लगाए।

समुदाय के नेताओं ने एनएफएसए को ष्काला कानूनष और कश्मीरी पंडितों के लिए ष्जालष बताया और आरोप लगाया कि इसके कार्यान्वयन से विस्थापित व्यक्तियों के रूप में उनकी विशिष्ट पहचान कमजोर होगी और उनके पुनर्वास अधिकारों पर असर पड़ेगा।

"यह एक काला कानून है और नरसंहार पीड़ितों के रूप में हमारी पहचान को धूमिल करने का एक जाल है। इस कानून में मौजूद विसंगतियां सरासर अन्याय हैं। कश्मीरी पंडित 36 वर्षों से विस्थापन के बाद पीड़ा झेल रहे हैं, और अब राष्ट्रीय राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (छथ्।) के तहत हमारी पहचान को धूमिल किया जा रहा है," पनुन कश्मीर के संयोजक डॉ. अग्निशेखर ने कहा।

"हम अधिकारियों से आग्रह करते हैं कि वे इस निर्णय पर व्यावहारिक रूप से पुनर्विचार करें और समुदाय की वास्तविक चिंताओं का समाधान करें। अपने वर्तमान स्वरूप में, यह समुदाय–विरोधी है," उन्होंने कहा।

अमृतसर में हुआ शकम तीव्रता वालाश विस्फोट ऑपरेशन सिंदूर की बरसी पर पाकिस्तानी आईएसआई की साजिश का हिस्सा था : पंजाब के डीजीपी

सबका जम्मू कश्मीर

चंडीगढ : पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने बुधवार को बताया कि अमृतसर के खासा में सेना छावनी की चारदीवारी के पास हुआ विस्फोट कम तीव्रता का था।

पुलिस के मुताबिक, यह विस्फोट मंगलवार रात को हुआ और इसमें किसी के घायल होने की खबर नहीं है। डीजीपी ने बताया कि किसी भी समूह ने विस्फोट की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन ऐसा लगता है कि इस घटना के पीछे पाकिस्तान की आईएसआई का हाथ हो सकता है। उन्होंने कहा

, "हमारा मानना घ्है कि चूंकि आज ऑपरेशन सिंदूर की वर्षगांठ है, इसलिए यह पंजाब में अशांति फैलाने के लिए पाकिस्तान की आईएसआई की साजिश का हिस्सा है। पंजाब देश की ओर से पाकिस्तान के खिलाफ परोक्ष युद्ध लड़ रहा है।" मंगलवार रात को सुरक्षा प्रतिष्ठानों के पास हुए दो सिलसिलेवार विस्फोटों ने पंजाब को दहला दिया, जिससे दहशत फैल गई और विपक्षी दलों ने इसकी निंदा करते हुए इसे राज्य को "अस्थिर" करने का प्रयास बताया।

पहला विस्फोट रात करीब 8 बजे जालंधर में सीमा सुरक्षा बल के पंजाब फ्रंटियर मुख्यालय के बाहर हुआ, जबकि दूसरा विस्फोट रात करीब 11 बजे अमृतसर में हुआ। दोनों घटनाओं की जांच जारी है।

सेना अधिकारियों और पंजाब पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक के बाद, डीजीपी यादव ने पत्रकारों को हुई चर्चाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सुरक्षा संबंधी आम चिंताओं की समीक्षा की गई और निर्देश जारी किए गए। उन्होंने यह भी बताया कि अमृतसर पुलिस आयुक्त कार्यालय के वरिष्ठ पुलिस अधिक. ारियों के साथ भी बैठक हुई। डीजीपी के अनुसार, विस्फोट की सटीक प्रकृति और उसमें इस्तेमाल किए गए उपकरण का पता फोरेंसिक जांच के बाद ही लगाया जा सकेगा।

अमृतसर एसएसपी (ग्रामीण) सहित पंजाब पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने विस्फोट स्थल का दौरा किया। पंजाब पुलिस और बीएसएफ के बम निरोधक दस्ते ने फोरेंसिक विशेषज्ञों के साथ मिलकर क्षेत्र को सुरक्षित किया और वैज्ञानिक विश्लेषण के लिए नमूने एकत्र किए।

एसएसपी के अनुसार, प्रारंभिक जांच से संकेत मिलता है कि किसी ने चारदीवारी की ओर विस्फोटक उपकरण फेंका था, जिसके कारण विस्फोट हुआ।

मुख्य न्यायाधीश ने जम्मू जिला न्यायालय में कमजोर गवाहों के बयान दर्ज करने के केंद्र का उद्घाटन किया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : बाल–हितैषी और पीड़ित–संवेदनशील न्याय व्यवस्था सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, जम्मू–कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अरुण पल्ली ने आज जम्मू जिला न्यायालय परिसर में कमजोर गवाह गवाही केंद्र का उद्घाटन किया। इस सुविधा का उद्देश्य द्वितीयक उत्पीड़न को रोकना और साक्ष्यों की निष्पक्ष और संवे. दनशील रिकॉर्डिंग सुनिश्चित करना है। यह केंद्र शासित प्रदेश में पीड़ित–केंद्रित न्याय व्यवस्था की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कमजोर गवाह गवाही केंद्र की स्थापना कमजोर गवाहों, जिनमें बच्चे, यौन अपराधों के पीड़ित और दिव्यांग व्यक्ति शामिल हैं, को न्यायालय के समक्ष गवाही देने के लिए एक सुरक्षित, भयमुक्त और अनुकूल वातावरण प्रदान करने के लिए की गई है। यह केंद्र आधु. निक सुविधाओं से सुसज्जित है, जिनमें अलग प्रतीक्षा क्षेत्र, लाइव–लिंक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, एकतरफा दर्पण और बाल–हितैषी अवसंरचना शामिल हैं, ताकि सर्वोच्च न्यायालय के दिशानिर्देशों के अनुरूप मुकदमे की कार्यवाही के दौरान द्वितीयक उत्पीड़न को रोका जा सके।

इस अवसर पर बोलते हुए, मुख्य न्यायाधीश ने इस बात पर जोर दिया कि कमजोर गवाह गवाही केंद्र की स्थापना कमजोर गवाहों के अधिकारों और गरिमा को बनाए रखने और भय या आघात के बिना निष्पक्ष सुनवाई सुनिश्चित करने के प्रति न्यायपालिका की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस अवसर पर जम्मू और कश्मीर एवं लद्दाख उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति सिंधु शर्मा, न्यायमूर्ति रजनेश ओसवाल, न्यायमूर्ति राहुल भारती, न्यायमूर्ति मोक्ष खजूरिया काज़मी, न्यायमूर्ति राजेश सेखरी, न्यायमूर्ति मोहम्मद यूसुफ वानी, न्यायमूर्ति शहजाद अजीम, जम्मू एवं कश्मीर विशेष न्यायाधिकरण के सदस्य यश पॉल बोर्नी, जम्मू एवं कश्मीर विशेष न्यायाधिकरण के रजिस्ट्रार जनरल मोहिंदर कुमार शर्मा, जम्मू के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रविंदर नाथ वाटल, रजिस्ट्रार सतर्कता राजीव गुप्ता, रजिस्ट्री के अधिकारी, बार अध्यक्ष निर्मल किशोर कोटवाल और उनके सदस्य, जिला न्यायालय परिसर, जम्मू के न्यायिक अधिक. ारी, अतिरिक्त महाधिवक्ता मोनिका कोहली और मुख्य जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिल शर्मा उपस्थित थे।

श्रीनगर में ड्रग तस्कर का अवैध घर ध्वस्त

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : पुलिस ने बताया कि जम्मू–कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में बुधवार को एक नशीले पदार्थों के तस्कर के अवैध रूप से निर्मित मकान को ध्वस्त कर दिया गया।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि यह विध्वंस पालपोरा नूरबाग इलाके में पुलिस के नशा मुक्त जम्मू–कश्मीर अभियान के तहत किया गया।

उन्होंने बताया कि आरोपी हिलाल अहमद शेख, जो जाहिदपोरा हवाल (वर्तमान में पम्पोश कॉलोनी, पालपोरा नूरबाग) का निवासी है, ने सरकारी जमीन पर अतिक्रमण किया था।

प्रवक्ता ने बताया कि शेख का नाम कई एनडीपीएस मामलों में दर्ज है और उस पर अपराध की कमाई से इस ढांचे का निर्माण करने का आरोप है।

उन्होंने बताया कि जांच में पता चला है कि शेख के करीबी सहयोगियों और परिवार के सदस्यों का नाम भी घाटी भर में नशीले पदार्थों से संबंधित कई मामलों में दर्ज है।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

चुनाव आयोग ने चुनावी हेरफेर में महारत हासिल कर ली है : महबूबा मुफ्ती ने बंगाल के नतीजों पर यह बात कही

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को हालिया विधानसभा चुनाव परिणामों को लेकर चुनाव आयोग पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि देश में चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्न खड़े हो गए हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि चुनाव आयोग ने "चुनावी हेरफेर" की कला में महारत हासिल कर ली है और पश्चिम बंगाल इसका ताजा उदाहरण बनकर सामने आया है।

उन्होंने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया मंच पर एक पोस्ट साझा करते हुए कहा कि भले ही भारत को "विश्वगुरु" बनने का दर्जा न मिला हो, लेकिन चुनावी हेरफेर के मामले में देश ने एक अलग पहचान बना ली है। उनके इस बयान ने राजनीतिक हलकों में नई बहस को जन्म दे दिया है और चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

महबूबा मुफ्ती ने अपने बयान में कहा कि एक समय था जब भारत को स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए दुनिया भर में एक आदर्श के रूप में देखा जाता था। उन्होंने कहा कि देश की चुनावी प्रणाली को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान था और इसे लोकतंत्र की मजबूती का प्रतीक माना जाता था। लेकिन अब स्थिति बदलती नजर आ रही है और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान समय में चुनाव आयोग पर केंद्रीय एजेंसियों की मदद से लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित करने के आरोप लग रहे हैं। उनके अनुसार, यह स्थिति बेहद चिंताजनक है और लोकतंत्र की बुनियादी संरचना के लिए खतरा बन सकती है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग जैसी संस्था, जिसे लोकतंत्र का संरक्षक माना जाता था, अब आरोपों के घेरे में है, जो एक गंभीर विषय है।

महबूबा मुफ्ती ने अपने बयान में पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टीएन शेषन का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि शेषन के कार्यकाल में चुनाव आयोग को एक निडर और सशक्त संस्था के रूप में स्थापित किया गया था। उस समय आयोग ने निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए कई सख्त कदम उठाए थे, जिससे उसकी विश्वसनीयता और प्रतिष्ठा में वृद्धि हुई थी। उन्होंने कहा कि उस दौर में चुनाव आयोग को लोकतंत्र का मजबूत स्तंभ माना जाता था। उन्होंने वर्तमान स्थिति की तुलना उस समय से करते हुए कहा कि आज वही संस्था आलोचनाओं का सामना कर रही है। उनके अनुसार, यह एक "दुखद पतन" है कि जिस संस्था पर देश को गर्व था, उसी पर अब चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने के आरोप लग रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह स्थिति लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है और इस पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। पीडीपी अध्यक्ष ने कहा कि चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता बनाए रखना किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए अत्यंत आवश्यक है। यदि जनता का विश्वास इस प्रक्रिया से उठ जाता है, तो लोकतंत्र की जड़ें कमजोर हो सकती हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि चुनाव आयोग को अपनी साख बनाए रखने के लिए पारदर्शिता और निष्पक्षता के उच्च मानकों का पालन करना चाहिए। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक माहौल में हलचल देखी जा रही है। विभिन्न दलों के नेताओं और विश्लेषकों के बीच इस मुद्दे पर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

नई सरकारों को सभी की प्रगति के लिए काम करना चाहिए : फारूक अब्दुल्ला

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने मंगलवार को नई सरकारों से उम्मीद जताई कि वे अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते समय इस मूल भावना को ध्यान में रखें कि यह देश धर्म और भाषा की परवाह किए बिना सभी नागरिकों का है। उन्होंने कहा कि शासन का उद्देश्य केवल सत्ता चलाना नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग की प्रगति सुनिश्चित करना होना चाहिए।

मध्य कश्मीर के बडगाम जिले के चरार-ए-शरीफ क्षेत्र में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि हाल ही में हुए चुनावों के बाद जो नई सरकारें बनी हैं, उनके सामने सबसे बड़ी जिम्मेदारी जनता के विश्वास को कायम रखना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि लोकतंत्र में जनता का फैसला सर्वोपरि होता है और उसे स्वीकार करना ही सभी राजनीतिक दलों का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि "जनता का निर्णय सबके सामने है और उसी के आधार पर आगे बढ़ना होगा।"

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि नई सरकारों को यह नहीं भूलना चाहिए कि देश की विविधता ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। अलग-अलग धर्मों, भाषाओं और संस्कृतियों के लोग मिलकर इस देश की पहचान बनाते हैं। ऐसे में शासन की नीतियां भी समावेशी होनी चाहिए, ताकि हर वर्ग को समान अवसर और सम्मान मिल सके। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि विकास तभी सार्थक होगा जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

फारूक अब्दुल्ला ने नई सरकारों के लिए शुभकामनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि ईश्वर उन्हें शक्ति दे कि वे जनता के हित में काम कर सकें। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने के बाद सबसे बड़ी परीक्षा यह होती है कि नेता अपने वादों पर कितना खरा उतरते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि नई सरक.ारें जनता की अपेक्षाओं को समझेंगी और उनके अनुसार कार्य करेंगी।

चुनाव परिणामों पर प्रतिक्रिया के संबंध में पूछे गए प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता का फैसला अंतिम होता है और उसे स्वीकार करना ही पड़ता है। उन्होंने कहा कि इस फैसले पर अधिक टिप्पणी करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि परिणाम स्वयं सब कुछ स्पष्ट कर देते हैं। यह बयान इस बात को दर्शाता है कि वे लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का सम्मान करते हैं और राजनीतिक मतभेदों के बावजूद जनता के जनादेश को सर्वोपरि मानते हैं।

स्थानीय निकाय चुनावों के मुद्दे पर भी उन्होंने अपनी स्पष्ट राय रखी। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में पंचायत और स्थानीय निकाय लो.कतंत्र के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं और उनके चुनाव समय पर कराए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर विकास कार्यों को गति देने और आम लोगों की समस्याओं का समाधान करने में पंचायतों की भूमिका बेहद अहम होती है।

उन्होंने कहा कि पंचायत प्रतिनिधि ही गांव और स्थानीय क्षेत्रों की वास्तविक जरूरतों को समझते हैं और उसी के अनुसार योजनाओं को लागू कर सकते हैं। इसलिए इन संस्थाओं को मजबूत करना और नियमित चुनाव कराना जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि वे स्वयं भी इन चुनावों का इंतजार कर रहे हैं और उम्मीद करते हैं कि जल्द ही इस दिशा में कदम उठाए जाएंगे।

फारूक अब्दुल्ला ने अपने संबोधन में सामाजिक सद्भाव और एकता पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि देश को आगे बढ़ाने के लिए जरूरी है कि लोग आपसी मतभेदों को पीछे छोड़कर एकजुट होकर काम करें। उन्होंने कहा कि विभाजनकारी सोच समाज को कमजोर करती है, जबकि एकता और सहयोग से ही स्थायी विकास संभव है।

उन्होंने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर जैसे संवे.दनशील क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए राजनीतिक नेतृत्व के साथ-साथ समाज के सभी वर्गों को मिलकर प्रयास करना होगा।

उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने सार्वजनिक कल्याण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की; जीर्णोद्धार कार्यों को पूरा करने की समय सीमा निर्धारित की

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने आज जम्मू-कश्मीर में चल रही लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की।

मंडलवार कार्यों की स्थिति की समीक्षा करते हुए, उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे आर एंड बी, पीएमजीएसवाई, नगर एवं कस्बों, गड्ढों की मरम्मत, यांत्रिक और नाबार्ड के अंतर्गत आने वाली परियोजनाओं को समय पर पूरा करें और देरी, विलंब, चूक या गुणवत्ता मानकों के उल्लंघन के प्रति कोई सहनशीलता न बरतें।

गुणवत्ता और दक्षता पर जोर देते हुए, उपमुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्रों से संबंधित कार्यों सहित सभी पीडब्ल्यूडी कार्यों के निष्पादन में समय-सीमा का कड़ाई से पालन करने का आह्वान किया। उन्होंने चेतावनी दी कि अनावश्यक देरी करने वाले ठेकेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउसों के नवीनीकरण और उन्नयन कार्यों में तेजी लाने और निर्धारित समय-सीमा के भीतर उन्हें पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में ब्लैकटॉपिंग कार्यों के समय पर निष्पादन पर भी जोर दिया।

प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं के तेजी से कार्यान्वयन की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने एसएएससीआई के अंतर्गत आने वाली बड़ी सड़क परियोजनाओं को सुचारू और शीघ्रता से शुरू करने का निर्देश दिया।

उपमुख्यमंत्री ने आर एंड बी, पीएमजीएसवाई, नगर एवं कस्बों, सीआरआईएफ, आरआईडीएफ, गड्ढों की मरम्मत और अन्य अवसंरचना घटकों सहित विभिन्न क्षेत्रों में हुई प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधीक्षण अभियंताओं और कार्यकारी अभियंताओं सहित वरिष्ठ अधिकारियों को कार्य की गुणवत्ता और गति सुनिश्चित करने के लिए नियमित रूप से स्थल निरीक्षण करने का निर्देश दिया।

व्यापक समीक्षा के दौरान, उन्होंने सभी चल रही और आगामी परियोजनाओं में गुणवत्ता मानकों का कड़ाई से पालन करने पर बल दिया और कहा कि घटिया निष्पादन, देरी या प्रशासनिक चूक को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा, "गुणवत्ता से समझौता करने की कोई गुंजाइश नहीं है। हर स्तर पर जवाबदेही स्पष्ट होनी चाहिए।" उन्होंने अधिकारियों को कार्यों की कड़ी निगरानी और समय पर पूरा करने का निर्देश दिया।

उन्होंने परियोजना में देरी से बचने के लिए भूमि, वन और मुआवजे से संबंधित मामलों के शीघ्र समाधान पर भी बल दिया और प्रगति की निगरानी के लिए सभी परियोजना स्थलों पर बार चार्ट प्रमुखता से प्रदर्शित करने का निर्देश दिया।

उपमुख्यमंत्री ने विशेष रूप से रामबन पुल, मजालता पुल, पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस उधमपुर, नया विधानसभा परिसर जम्मू, प्रागवाल-इंदरपति पुल, पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस हैदरपोरा, बुलेवार्ड रोड और जम्मू-कश्मीर में अन्य प्रमुख सड़क एवं पुल परियोजनाओं पर काम में तेजी लाने का आह्वान किया। उन्होंने सड़क चौड़ीकरण परियोजनाओं में आ रही बाधाओं को दूर करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि समय पर कार्य निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी स्वीकृति, निविदा और आवंटन सहित सभी प्रक्रियात्मक आवश्यकताओं को यथाशीघ्र पूरा किया जाए।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को रामनगर दुर्घटना पर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया और जन सुरक्षा बढ़ाने के लिए चिन्हित स्थानों पर खराब तरीके से निर्मित पैरापेट को तत्काल बदलने का निर्देश दिया।

भारत में रहना है, तो वन्देमातरम कहना होगा?'

संजय पराते

किसी विषय–वस्तु को विवादित बनाना और उसके आधार पर सां. प्रदायिक खेला करना कोई भाजपा–आरएसएस से सीखे। वन्देमातरम आजादी के दीवानों के मुंह में बसा स्वतंत्रता मंत्र था। इस मंत्र ने हजारों देशभक्तों को हंसते–हंसते फांसी के फंदे पर झूलना सिखाया। लेकिन आजादी के आंदोलन के दौरान भी वन्देमातरम कभी किसी की देशभक्ति की कसौटी नहीं बना।

जिस संघी गिरोह ने आजादी के आंदोलन के दौरान कभी अपनी जुबान पर वन्देमातरम नहीं लाया, जो केवल अंग्रेजों के लिए मुखबिरी करने और स्वतंत्रता संग्रामियों को पकड़वाने के काम में ही मशगूल रही, वह आज वन्देमातरम को देशभक्ति की कसौटी बना रही है।

जन–गण–मन बनाम वंदेमातरम का विवाद इस देश में कभी नहीं रहा। दोनों में से कौन सर्वश्रेष्ठ है, यह बहस भी कभी नहीं रही। कांग्रेस अधिवेशनों में वन्देमातरम के पहले दो छंदों का नियमित गायन होता रहा। यही इस गीत के मूल छंद हैं। इन छंदों पर भी कभी विवाद नहीं हुआ। (वन्देमातरम के बाकी के छंद बंकिम चंद्र ने बाद में लिखकर आनंदमठ में जोड़े थे और बाद के छंद विवादित हुए।) आजादी के बाद संविधान लागू करते समय जन–गण–मन को राष्ट्र गान के रूप में, तो वन्देमातरम को राष्ट्र गीत के रूप में स्वीकार किया गया। उस समय भी कोई विवाद नहीं था।

आजादी के बाद आरएसएस ने अपने कपड़ों में लगे देशद्रोह के दाग को छुड़ाने के लिए 'भारत में रहना है, तो वन्देमातरम कहना होगा' का नारा लगाया। लेकिन इस नारे को कभी किसी ने तवज्जो नहीं दी, इसलिए कि पूरा देश संघी गिरोह के असली चरित्र को जानता था।

8वें–9वें दशक से भाजपा की सांप्रदायिक राजनीति को उभार मिला और 2014 से मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद सांप्रदायिक मुद्दे पूरी तरह से राजनीति के केंद्र में आ गए। अब वन्देमातरम को भी सां. प्रदायिक राजनीति का हथियार बनाया गया। इस पर संसद का विशेष अधिवेशन हुआ, जिसमें भाजपा और उसके संगी–साथी अलग–थलग पड़ गए, क्योंकि इतिहास संघी गिरोह द्वारा प्रचारित मिथकों का समर्थन नहीं करता। ऐतिहासिक तथ्य संघी गिरोह की सांप्रदायिक राजनीति को बेनकाब करते हैं।

लेकिन भाजपा ने जन–गण–मन के विरुद्ध वन्देमातरम को प्रस्तुत करना जारी रखा। इसके कारण भी काफी स्पष्ट है। भाजपा अपने

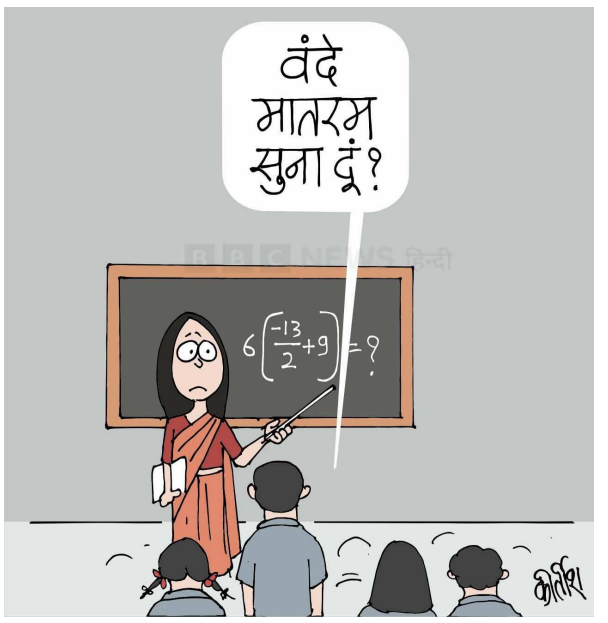

आपको जन–गण–मन के रवींद्रनाथ की धर्मनिरपेक्ष, समभावी, उदारवादी, बहुलतावादी और समाजवाद की ओर झुकी सोच के बरक्स बंकिमचंद्र की कट्टर हिंदूवादी सांप्रदायिक सोच के करीब पाती है। रवींद्रनाथ संघी गिरोह को फूटी आंखों नहीं सुहाते और बंकिमचंद्र उसे जान से भी बहुत ज्यादा प्यारे हैं। सो, संसद के विशेष अधिवेशन के तिकड़म के बाद अब मोदी मंडल ने सरकारी तौर पर वन्देमातरम को जन–गण–मन के समकक्ष रखने का फैसला किया है और यह प्रावधान किया है कि लगभग चार मिनट के इस पूरे गीत के गायन के दौरान नागरिकों को ससम्मान सावधान की मुद्रा में खड़ा रहना होगा, वरना 3 साल की जेल और/या जुर्माना लगाया जा सकता है। इस सरकार का बस चले, तो वह जन गण मन को पदच्युत करके वन्देमातरम को ही राष्ट्रगान घोषित कर दे, लेकिन पूरी बेशर्मी के बावजूद इतनी हिम्मत अभी उसमें आई नहीं है।

यह फैसला भारतीय समाज को तोड़ने वाला और धर्म के आधार पर विभाजित करने वाला फैसला है और इसीलिए इसी मकसद से जान–बूझकर लिया गया फैसला है, क्योंकि सभी जानते हैं कि मुस्लिम समुदाय इस गीत के दो छंदों के बाद के छंदों को मानने/गाने/सम्मान देने के लिए तैयार नहीं है। धर्म के आधार पर मुस्लिम समुदाय की देशभक्ति का आंकलन संघी गिरोह पिछले सौ सालों से कर रहा है, लेकिन किसी सरकार द्वारा अधिकृत ढंग से अब किया जा रहा है। सवाल यही है कि क्या किसी सरकार को इस देश में रहने वाले नागरिकों की देशभक्ति को आंकने का पैमाना बनाने का अधिकार हमारा संविधान देता है?

मोदी सरकार का यह कदम निश्चित ही संविधान विरोधी है और इसे सुप्रीम अदालत में चुनौती भी दी जाएगी। जब स्कूलों में इसे गाने के आदेश जारी किए गए थे, तब सुप्रीम कोर्ट ने याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी थी कि इसके पीछे अनिवार्यता की कोई बाध्यता नहीं है। लेकिन मोदी मंत्रिमंडल के इस फैसले के बाद यह अनिवार्यता केवल छात्रों पर ही नहीं, इस देश के प्रत्येक नागरिक पर लागू हो जाती है। अब देखना होगा कि केंद्र के सामने लगातार घुटने टेकती सुप्रीम अदालत क्या रुख अख्तियार करती है? क्या संघी गिरोह को या भाजपा को इस देश में देशभक्ति का प्रमाणपत्र बांटने का अधिकार दिया जा सकता है? वन्देमातरम पर मोदी सरकार का फैसला इसी अधिकार को लेने की कोशिश है। जिस देश में संघी गिरोह बलात्कारियों के समर्थन में तिरंगा हाथ में लेकर जुलूस निकालता है, दंगे भड़काने के लिए मुस्लिम बनकर मंदिरों में गाय का मांस फेंकता है, गौ रक्षा के नाम पर गौ–तस्करी और अवैध वसूली में लगा रहता है, माथे पर तिलक लगाकर हर तरह के पतित कामों में लगा रहता है, सत्ता के संरक्षण में आबाओं और बाबाओं को हर तरह का निकृष्ट काम करने की छूट हो, उस देश में अब वह इन तमाम लंपटों और अपराधियों से वन्देमातरम कहलाकर उनके अपराधों से बरी करना चाहता है। और यह पूरी तिकड़मबाजी इसलिए कि जा रही है कि लोग राष्ट्रवाद–राष्ट्रवाद का खेल खेलते रहे और जन विरोधी यह सरकार इस देश के संविधान और लोकतंत्र से लेकर मताधिकार, प्राकृतिक संसाधन, उनकी शिक्षा, आवास, स्वास्थ्य और रोजगार तक सब कुछ चुराती रहे। मणिपुर जलकर स्वाहा होने के कगार पर है। रवींद्रनाथ का श्सोनार बांग्लाश आज संघ–पोषित राजनैतिक हिंसा की आग में सुलग रहा है। इसे आग को बुझाने के बजाय संघ–भाजपा वन्देमातरम के नाम पर अब एक नया हवन कुंड बना रहा है, जिसमें हर उस नागरिक की आहुति दी जाएगी, जो उसके खिलाफ खड़ा है।

'(लेखक अखिल भारतीय किसान सभा से संबद्ध छत्तीसगढ़ किसान सभा के उपाध्यक्ष हैं। संपर्क रू 94252–31650)

भारत में वायु प्रदूषण : एक गंभीर चुनौती

सबका जम्मू कश्मीर

भारत में वायु प्रदूषण आज सबसे बड़ी पर्यावरणीय और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में से एक बन चुका है। पहले यह समस्या केवल महानगरों तक सीमित मानी जाती थी, लेकिन अब छोटे शहरों और गाँवों में भी इसका प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। तेजी से बढ़ते औद्योगीकरण, वाहनों की संख्या में वृद्धि, निर्माण कार्यों की धूल, कोयले और पेट्रोलियम पदार्थों का अत्यधिक उपयोग, कचरा तथा पराली जलाने जैसी गतिविधियों ने वायु की गुणवत्ता को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। प्रदूषित हवा न केवल मनुष्य के स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाती है, बल्कि पर्यावरण और जलवायु पर भी गहरा असर डालती है।

वायु प्रदूषण का सबसे खतरनाक तत्व च्ड2.5 कणों को माना जाता है। ये अत्यंत सूक्ष्म कण होते हैं जो सांस के माध्यम से शरीर के भीतर प्रवेश कर फेफड़ों और रक्त तक पहुँच जाते हैं। इनके कारण अनेक गंभीर बीमारियाँ उत्पन्न होती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार प्रदूषित वायु हर वर्ष लाखों लोगों की असमय मृत्यु का कारण बनती है। भारत में भी यह समस्या लगातार बढ़ रही है और लोगों के जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित कर रही है।

वायु प्रदूषण का सबसे अधिक प्रभाव मानव स्वास्थ्य पर पड़ता है। प्रदूषित हवा में लंबे समय तक रहने से दमा, ब्रोंकाइटिस, एलर्जी और फेफड़ों के संक्रमण जैसी श्वसन संबंधी बीमारियाँ बढ़ जाती हैं। बच्चों और बुजुर्गों पर इसका प्रभाव अधिक गंभीर होता है क्योंकि उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता अपेक्षाकृत कमजोर होती है। बच्चों के फेफड़ों का विकास बाधित हो सकता है और उनकी शारीरिक क्षमता प्रभावित होती है। इसके अलावा हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसी बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है।

वायु प्रदूषण केवल शरीर के अंदरूनी अंगों को ही नहीं बल्कि आंखों और त्वचा को भी प्रभावित करता है। धुएँ और धूल के कारण आंखों में जलन, लालिमा और एलर्जी की समस्या उत्पन्न होती है। त्वचा पर खुजली, चकत्ते और अन्य रोग भी बढ़ने लगते हैं। लगातार प्रदूषित वातावरण में रहने से मानसिक तनाव और थकान जैसी समस्याएँ भी देखी जाती हैं।

पर्यावरण पर भी वायु प्रदूषण का गंभीर प्रभाव पड़ता है। प्रदूषण के कारण ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन की समस्या बढ़ रही है। कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य हानिकारक गैसों के कारण पृथ्वी का तापमान लगातार बढ़ रहा है, जिससे मौसम चक्र प्रभावित हो रहा है। कहीं अत्यधिक वर्षा हो रही है तो कहीं सूखा पड़ रहा है। अम्लीय वर्षा के कारण मिट्टी की उर्वरता कम होती है और जल स्रोत भी दूषित हो जाते हैं। इसके अतिरिक्त पेड़–पौधों और जैव विविधता को भी नुकसान पहुँचता है।

भारत में वायु प्रदूषण की समस्या को नियंत्रित करने के लिए कई प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है। सबसे पहले सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना चाहिए ताकि निजी वाहनों का उपयोग कम हो सके। इलेक्ट्रिक वाहनों और स्वच्छ ऊर्जा स्रा. ोतों का उपयोग बढ़ाना समय की आवश्यकता है। उद्योगों में प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों का उपयोग अनिवार्य किया जाना चाहिए और नियमों का सख्ती से पालन होना चाहिए।

पेड़–पौधे वायु को शुद्ध करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए बड़े स्तर पर वृक्षारोपण अभियान चलाने चाहिए। शहरों में हरित क्षेत्र बढ़ाने से प्रदूषण को कम किया जा सकता है। किसानों को पराली जलाने के बजाय उसके वैकल्पिक उपयोग के लिए प्रोत्साहित करना भी आवश्यक है। इसके साथ ही कचरा जलाने पर सख्त रोक लगानी चाहिए।

वायु प्रदूषण की समस्या का समाधान केवल सरक. ारी प्रयासों से संभव नहीं है। इसके लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। लोगों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है। यदि प्रत्येक नागरिक स्वच्छता बनाए रखने, अधिक पेड़ लगाने और प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों से बचने का संकल्प ले, तो इस समस्या को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

अंततः कहा जा सकता है कि वायु प्रदूषण केवल पर्यावरण की समस्या नहीं बल्कि मानव जीवन के अस्तित्व से जुड़ी चुनौती है। स्वच्छ वायु प्रत्येक नागरिक का मूल अधिकार है। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। इसलिए सरकार, उद्योगों और आम जनता को मिलकर इस समस्या के समाधान के लिए ईमानदारी से प्रयास करना होगा, तभी स्वस्थ और स्वच्छ भारत का निर्माण संभव हो सकेगा।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

यूएस पूरी आक्रामकता से अपना बचाव करेगा, ईरान यह जानता है : हेगसेथ ने ईरान युद्धविराम, होर्मुज़ तनाव और प्रोजेक्ट फ़्रीडम पर विस्तार से जानकारी दी

नई दिल्ली

खाड़ी क्षेत्र में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा है कि हॉर्मुज जलडमरूमध्य में चलाया जा रहा अमेरिकी सैन्य अभियान अस्थायी और रक्षात्मक है। पेंटागन में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि वाशिंगटन और तेहरान के बीच घोषित संघर्ष विराम अभी भी प्रभावी है, भले ही हाल के दिनों में रणनीतिक जलमार्ग के आसपास गोलीबारी और हमलों की घटनाएं सामने आई हैं।

हेगसेथ ने कहा कि "संघर्ष विराम समाप्त नहीं हुआ है" और अमेरिका केवल व्यावसायिक जहा. जों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने यह भी दोहराया कि अमे. रिका जरूरत पड़ने पर समुद्री व्यापार मार्गों की आक्रामक तरीके से रक्षा करता रहेगा। उनके अनुसार, ईरान को यह स्पष्ट रूप से पता है कि अमेरिका अपने हितों और अंतरराष्ट्रीय व्यापार की सुरक्षा को लेकर गंभीर है।

यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' नामक एक नए नौसैनिक मिशन की शुरुआत की है। इस अभियान का उद्देश्य हॉर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले व्यावसायिक जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इससे पहले फरवरी के अंत में अमेरिका और इजरा. इल से जुड़े संघर्ष के बाद ईरान ने इस अहम समुद्री मार्ग को प्रभावी रूप से बंद कर दिया था।

हॉर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक माना जाता है, जहां से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का लगभग पांचवां हिस्सा गुजरता है। यह संकरा जलमार्ग ईरान और ओमान के बीच स्थित है और अंत. रराष्ट्रीय व्यापार के लिए इसकी अहमियत अत्यधिक है।

हेगसेथ ने 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' को एक सीमित और स्पष्ट उद्देश्य वाला अभियान बताया। उन्होंने कहा कि इसका मकसद केवल ईरान द्वारा संभावित हमलों से व्यावसायिक जहाजों की रक्षा करना है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अमेरिकी बलों को इस अभियान के दौरान ईरानी हवाई क्षेत्र या समुद्री सीमा में प्रवेश करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। उनके अनुसार, अमेरिका किसी प्रकार के संघर्ष की तलाश में नहीं है और यह अभियान पूरी तरह से सुरक्षा पर केंद्रित है।

पेंटागन ने यह भी जानकारी दी कि अमेरिका ने हॉर्मुज जलडमरूमध्य के ऊपर एक विशेष सुरक्षा व्यवस्था स्थापित की है, जिसे "रेड, व्हाइट और ब्लू डोम" कहा जा रहा है। इस प्रणाली के तहत अमेरिकी नौसेना, वायु सेना और जमीनी बल मिलकर चौबीसों घंटे निगरानी और सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे हैं।

अमेरिकी संयुक्त चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैन केन ने बताया कि अब क्षेत्र से गुजरने वाले व्यावसायिक जहाजों को हर समय अमेरिकी सैन्य सुरक्षा प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि जहाजों को समुद्र, आसमान और संचार माध्यमों के जरिए अमेरिकी सैन्य मौजूदगी का अनुभव होगा, जिससे किसी भी हमले को रोका जा सके।

पेंटागन के अनुसार इस मिशन में पंद्रह हजार से अधिक अमेरिकी सैनिक शामिल हैं। इसमें लड़ाकू विमान, ड्रोन, हेलीकॉप्टर, नौसैनिक जहाज और वायु रक्षा प्रणालियां लगातार सक्रिय हैं। जनरल केन ने यह भी बताया कि हाल के दिनों में ईरान ने क्रूज मिसाइल, ड्रोन और तेज गति वाली नौकाओं के जरिए हमले करने की कोशिश की, जिन्हें अमेरिकी बलों ने विफल कर दिया।

आईएमएफ ने पाकिस्तान पर पेट्रोलियम उत्पादों पर कर छूट कम करने और दीर्घकालिक सब्सिडी से बचने के लिए दबाव डाला है

नई दिल्ली

खबरों के मुताबिक, पाकिस्तान में शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार पर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) का आगामी वित्त वर्ष 2026–27 के बजट में सख्त आर्थिक फैसले लेने का अत्यधिक दबाव है। एआरवाई न्यूज को सूत्रों ने बताया कि वैश्विक संस्था ने पाकिस्तानी सरकार से अगले बजट में कर छूट और रियायतों को और कम करने की मांग की है।

उन्होंने यह भी बताया कि आईएमएफ ने पाकिस्तान से पेट्रोलियम उत्पादों पर दीर्घकालिक सब्सिडी से बचने का आग्रह किया है। क्षेत्रीय तनाव बढ़ने के बीच, आईएमएफ ने कथित तौर पर कहा है कि वित्तीय दबाव से बचने के लिए ईंधन की कीमतों में समय पर समायोजन करना आवश्यक है।

आईएमएफ ने कथित तौर पर सरकार को बताया है कि सरकार को बिजली और गैस के शुल्कों के संबंध में एनईपीआरए और ओजीआरए द्वारा दी गई सिफारिशों को तुरंत लागू करना चाहिए।

फिलहाल, शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार और आईएमएफ के बीच अगले बजट के लिए प्रमुख लक्ष्य निर्धारित करने को लेकर बातचीत चल रही है, जबकि सख्त राजकोषीय उपायों की उम्मीदें भी हैं।

क्या उम्मीद करें?

एआरवाई न्यूज को अंदरूनी सूत्रों ने बताया कि राजकोषीय उपायों में कर आधार का विस्तार करना, सार्वजनिक व्यय को नियंत्रित करना और बिक्री कर छूट को कम करना शामिल हो सकता है। पाकिस्तानी सरकार कर–से–जीडीपी अनुपात को और बढ़ाने की उम्मीद कर रही है, जबकि आगामी वित्तीय वर्ष के लिए संघीय राजस्व बोर्ड का कर लक्ष्य लगभग 15.5 ट्रिलियन पाकिस्तानी क्रोनर रहने की उम्मीद है। इस बीच, आईएमएफ ने चेतावनी दी है कि पाकिस्तान में ऊर्जा और खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतें मौजूदा वित्तीय वर्ष के अंत तक मुद्रास्फीति को लक्ष्य से ऊपर ले जा सकती हैं। हालांकि पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था में मामूली सुधार के संकेत दिख रहे हैं, लेकिन फंड ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताएं जोखिम पैदा करती रहेंगी। पाकिस्तानी सरकार के अनुमानों से पता चलता है कि वित्त वर्ष 2026 में जीडीपी की वृद्धि दर 4 से 4.5 प्रतिशत के बीच रह सकती है, जिसमें जीडीपी के 1.6 प्रतिशत के चालू खाता अधिशेष का लक्ष्य रखा गया है।

व्हाइट हाउस के पास गोलीबारी से दहशत फैल गई; सीक्रेट सर्विस ने संदिग्ध को गोली मारी, एक नाबालिग राहगीर घायल हो गया

नई दिल्ली

सोमवार को व्हाइट हाउस के पास सुरक्षा को लेकर तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई, जब अमेरिकी सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों ने एक सशस्त्र व्यक्ति पर गोली चलाई। इस झड़प के बाद राष्ट्रपति परिसर को कुछ समय के लिए बंद कर दिया गया। घटना में एक नाबालिग भी घायल हो गया, हालांकि अधिकारियों ने कहा कि चोटें जानलेवा नहीं थीं।

यह घटना व्हाइट हाउस से लगभग आधा मील दूर, 15वीं स्ट्रीट और इंडिपेंडेंस एवेन्यू के पास घटी, और यह वाशिंगटन में उच्च सतर्कता के समय हुई है। अधिकारियों ने इलाके को सुरक्षित करने के लिए तुरंत कार्रवाई की और आश्वासन दिया कि किसी व्यापक खतरे या राष्ट्रपति को सीधे निशाना बनाए जाने का कोई तत्काल संकेत नहीं है।

अमेरिकी गुप्त सेवा के अनुसार, सुरक्षाकर्मियों ने बाहरी घेरे की गश्त के दौरान एक ष्संदिग्ध व्यक्तिष की पहचान की, जिसके पास हथियार होने का संदेह था। उप निदेशक मैट क्विन ने कहा कि अधिकारियों ने एक ऐसी चीज देखी जिसे उन्होंने हथियार का दृश्य निशानष बताया। क्विन्न ने पत्रकारों को बताया, संपर्क स्थापित होते ही वह व्यक्ति थोड़ी देर के लिए पैदल भागा, फिर उसने एक हथियार निकाला और हमारे एजेंटों और अधिकारियों की दिशा में गोली चलाई। उन्होंने भी जवाबी फायरिंग की और मुठभेड़ में शामिल हो गए।

गोलीबारी के दौरान संदिग्ध को चोट लगी और बाद में उसे अस्पताल ले जाया गया। अधिकारियों ने बताया कि उसकी हालत के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है। फॉक्स न्यूज द्वारा उद्धृत एक संघीय सूत्र ने कहा कि मुठभेड़ के दौरान संदिग्ध ने बंदूक निकाल ली, जिसके बाद अधिकारियों ने गोली चलाई।

एक प्रत्यक्षदर्शी घायल हो गया, लेकिन खतरे से बाहर है।

गोलीबारी के दौरान एक नाबालिग राहगीर को गोली लग गई। क्विन ने बताया कि बच्चे को ष्जानलेवा चोटें नहीं आईष और उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच से संकेत मिलता है कि बच्चा संदिग्ध की गोलीबारी की चपेट में आया हो सकता है। व्हाइट हाउस में संक्षिप्त लॉकडाउन लगाया गया, कामकाज फिर से शुरू हुआ

गोलीबारी की घटना के बाद, सुरक्षा एजेंसियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए एहतियात के तौर पर नॉर्थ लॉन में मौजूद पत्रकारों को अंदर जाने का निर्देश दिया। व्हाइट हाउस को अस्थायी रूप से लॉकडाउन कर दिया गया, जिसे कुछ ही मिनटों में हटा लिया गया।

परिसर में मौजूद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईस्ट रूम में निर्धारित लघु व्यवसाय कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने गोलीबारी की घटना पर सीधे तौर पर कोई टिप्पणी नहीं की, लेकिन कहा कि वाशिंगटन ष्अब संयुक्त राज्य अमेरिका के सबसे सुरक्षित शहरों में से एक हैष।

ट्रम्प या वैंस से कोई पुष्ट संबंध नहीं है

अधिकारियों ने कहा कि फिलहाल ऐसा कोई सबूत नहीं है जिससे यह पता चले कि संदिग्ध राष्ट्रपति या व्हाइट हाउस को निशाना बना रहा था। संभावित मकसद के बारे में पूछे जाने पर क्विन ने कहा, ष्मैं कुछ नहीं कह सकताकृमैं इस बारे में कोई अनुमान नहीं लगाऊंगा। मैं आपक. ो बता सकता हूं कि हम हर बार इस इलाके में गश्त करते हैं। हर जगह हम चौबीसों घंटे, सातों दिन कड़ी निगरानी रखते हैं। चाहे यह राष्ट्रपति को लक्षित करके किया गया हो या नहीं, मुझे नहीं पता। लेकिन हम इसका पता लगा लेंगे। उन्होंने इस बात की भी पुष्टि की कि उपराष्ट्रपति जेडी वैंस का काफिला गोल. ीबारी से कुछ ही समय पहले उस इलाके से गुजरा था, लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि दोनों घटनाएं आपस में जुड़ी हुई नहीं थीं।

दक्षिण अफ्रीका में लापता व्यक्ति की तलाश के बीच मगरमच्छ के पेट से मिले मानव अवशेष

नई दिल्ली

दक्षिण अफ्रीका में एक लापता व्यक्ति के मामले ने इस सप्ताह सोशल मीडिया पर गलत कारणों से व्यापक चर्चा बटोरी, जब पुलिस की एक जटिल और खतरनाक कार्रवाई के दौरान एक विशाल मगरमच्छ के पेट से मानव अवशेष बरामद किए गए।

यह घटना कोमाटी नदी क्षेत्र में हुई, जहां पुलिस लंबे समय से एक लापता व्यवसायी की तलाश में जुटी हुई थी।

दक्षिण अफ्रीकी पुलिस सेवा द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, यह अभियान बेहद जोखिम भरा और तकनीकी रूप से जटिल था। पुलिस को सूचना मिली थी कि जिस क्षेत्र में व्यवसायी लापता हुआ था, वहां एक बड़े मगरमच्छ की मौजूदगी है।

इसके बाद विशेष टीम को मौके पर भेजा गया, जिसने सावधानीपूर्वक कार्रवाई करते हुए उस मगरमच्छ को कब्जे में लिया।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पकड़ा गया मगरमच्छ लगभग पंद्रह फुट लंबा और करीब ग्यारह सौ पाउंड से अधिक वजनी था। इस विशाल. काय सरीसृप को बाद में क्रूगर नेशनल पार्क ले जाया गया, जहां वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों की निगरानी में उसकी जांच की गई।

साप्ताहिक सबका जम्मू कश्मीर

संपादकीय

मानवता का संदेश

संपादक – राज कुमार

भारत की आध्यात्मिक परंपरा सदियों से मानवता, सहिष्णुता और आत्मबोध का संदेश देती रही है। इसी परंपरा को आधुनिक युग में नई चेतना प्रदान करने वाले दो महान व्यक्तित्व थे "तप त्ंउांतपीदं और "ूउप टपअमांदंदकं। गुरु और शिष्य की यह जोड़ी केवल धार्मिक चेतना तक सीमित नहीं रही, बल्कि इन्होंने मानव समाज को एकता, प्रेम और आत्मविश्वास का नया मार्ग दिखाया। इनका संदेश केवल हिंदू धर्म के लिए नहीं था, बल्कि संपूर्ण मानव जाति के लिए था। श्री रामकृष्ण का जीवन इस बात का प्रमाण था कि ईश्वर किसी एक धर्म या पंथ तक सीमित नहीं है। उन्होंने विभिन्न धर्मों और साधना पद्धतियों का अनुभव करके यह महसूस किया कि सभी मार्ग अंततः उसी परम सत्य तक पहुंचते हैं। वे प्रत्येक मनुष्य में ईश्वर का दर्शन करते थे। उनके लिए गरीब, पीड़ित, साधारण या असहाय व्यक्ति केवल इंसान नहीं था, बल्कि ईश्वर का जीवंत स्वरूप था। यही कारण था कि उन्होंने मानव सेवा को ईश्वर सेवा का रूप माना। उनका यह विचार भारतीय संस्कृति के उस प्राचीन आदर्श को पुनर्जीवित करता है जिसमें "वसुधैव कुटुम्बकम्" की भावना निहित है। दूसरी ओर, नरेंद्रनाथ दत्त आधु. निक शिक्षा और तर्कशीलता से प्रभावित युवा थे। वे हर बात को तर्क की कसौटी पर परखते थे और बिना प्रमाण किसी बात को स्वीकार नहीं करते थे। प्रारंभ में वे धार्मिक मान्यताओं के प्रति संशय रखते थे, लेकिन श्री रामकृष्ण के सान्निध्य में उन्हें आत्मिक सत्य का अनुभव हुआ। गुरु ने केवल उन्हें धार्मिक शिक्षा नहीं दी, बल्कि उनके भीतर छिपी शक्ति को पहचाना और उसे मानव कल्याण के लिए तैयार किया। यही नरेंद्रनाथ आगे चलकर स्वामी विवेकानंद बने और भारतीय अध्यात्म को विश्व मंच पर नई पहचान दिलाई, स्वामी विवेकानंद का सबसे बड़ा संदेश था कि प्रत्येक मनुष्य के भीतर दिव्यता विद्यमान है। वे कहते थे कि मनुष्य कमजोर नहीं है, बल्कि अपनी वास्तविक शक्ति से अनजान है। उनका विश्वास था कि यदि व्यक्ति अपने भीतर छिपी ईश्वरीय शक्ति को पहचान ले, तो वह हर प्रकार के भय, दुख और हीनता से मुक्त हो सकता है। उन्होंने युवाओं को आत्मविश्वास, साहस और कर्म का संदेश दिया। उनके भाषण केवल धार्मिक उपदेश नहीं थे, बल्कि मानव जीवन को नई दिशा देने वाले विचार थे। विवेकानंद ने यह भी स्पष्ट किया कि धर्म का अर्थ केवल पूजा–पाठ या कर्मकांड नहीं है। सच्चा धर्म वह है जो मनुष्य को मानवता, करुणा और सेवा की प्रेरणा दे। इसी उद्देश्य से उन्होंने 1897 में रामकृष्ण मिशन की स्थापना की। यह संस्था शिक्षा, स्वास्थ्य, सेवा और आध्यात्मिक जागरण के माध्यम से समाज को नई दिशा देने का कार्य कर रही है। मिशन का मूल उद्देश्य मानव सेवा के माध्यम से ईश्वर की उपासना करना था। आज के समय में जब समाज विभाजन, घृणा, हिंसा और संकीर्णता जैसी समस्याओं से जूझ रहा है, तब श्री रामकृष्ण और स्वामी विवेकानंद की शिक्षाएं पहले से अधिक प्रासंगिक दिखाई देती हैं। उन्होंने मानवता को जोड़ने की बात कही, न कि बांटने की। उनका संदेश हमें याद दिलाता है कि धर्म का उद्देश्य प्रेम और एकता स्थापित करना है, न कि वैमनस्य फैलाना। स्वामी विवेकानंद ने भारतीयों को उनकी सांस्कृ तिक और आध्यात्मिक विरासत पर गर्व करना सिखाया। उन्होंने बताया कि भारत की शक्ति केवल भौतिक संसाधनों में नहीं, बल्कि उसकी आध्यात्मिक चेतना में निहित है। यदि समाज उनके आदर्शों को अपनाए, तो न केवल भारत बल्कि संपूर्ण विश्व में शांति, सद्भाव और मानवता की नई रोशनी फैल सकती है।

जब न्याय एक मृगतृष्णा बन जाता है

ऋषन कुमार चुघ

लेखक अपने बचपन के 'सांप-सीढ़ी' खेल से जीवन की तुलना करते हुए बताते हैं कि 40 वर्ष सरकारी सेवा और सेवानिवृत्ति के बाद भी उन्हें न्याय और प्रशासनिक जवाबदेही के लिए संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने आरटीआई, पुलिस, एमसीडी, डीडीए और न्यायाधिकरणों में कई शिकायतें कीं, लेकिन हर जगह देरी, उदासीनता और भ्रष्टाचार का सामना किया। लेखक का मानना है कि संविधान में सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय का वादा तो है, पर आम नागरिक आज भी न्याय के लिए भटक रहा है।

बचपन में मैं श्सांप सीढ़ीश नाम का खेल खेलता था। यह एक सरल खेल थारू एक–दो मौकों को छोड़कर – जब मैं पासा फेंकने की कला में माहिर नहीं था – मैं तरक्की की सीढ़ियाँ चढ़ता था, लेकिन फिर एक सांप मुझे निगल जाता था और वापस दहलीज पर खींच लाता था। अब मैं बच्चा नहीं रहा, 72 साल और 6 महीने के इस सफर में मैंने टेढ़े–मेढ़े रास्तों और तीखे मोड़ों को पार किया है। भारत सरकार की 40 साल सेवा करने के बाद, मैं 30 सितंबर 2013 को सेवानिवृत्त हुआ। सेवानिवृत्ति के बाद, जब अधिकांश लोग सुबह की सैर और दोपहर की नींद का आनंद लेना पसंद करते, मैं अतिथि शिक्षक और लोक प्रशासन में नैतिकता और मूल्यों के राष्ट्रीय प्रशिक्षक के रूप में सक्रिय रहा दृ यह विषय मेरे दिल के बहुत करीब है।

मैंने कक्षाओं में वर्षों बिताए और हमारे नौकरशाही के भावी स्वरूपों से संवाद किया। हमने गर्व से अपनी क्रिकेट टीम की विश्व कप जीत, सरदार पटेल की विरासत, चंद्रमा पर हमारी लैंडिंग और विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की हमारी प्रतिबद्धता पर चर्चा की। सबसे बढ़कर, हमने एक ऐसे संविधान की बात की जिसकी उत्पत्ति ष्हम, जनताष के आह्वान से हुई है और जो प्रत्येक भारतीय को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय सुनिश्चित करता है। फिर भी, कथनी और करनी में भारी अंतर पर खेद व्यक्त करते हुए, मैंने मामलों के निपटान के प्रति लापरवाही भरे रवैये के बारे में स्पष्ट शब्दों में कहा। मैंने आरटीआई अधि. नियम, 2005, सीपीग्राम को मजबूत करने और त्वरित न्याय के लिए न्यायाधिकरणों के गठन की बात की। फिर भी, विभिन्न मंचों पर प्रयास करने के बाद, एक नागरिक अक्सर खुद को फिर से शुरुआती बिंदु पर पाता है।

मैं यहाँ जो साझा कर रहा हूँ वह कोई कल्पना नहीं है; यह एक कड़वी सच्चाई है। कक्षा और अब न्यायालय के अलावा, मैं दिल्ली पुलिस, एमसीडी और डीडीए के साथ सक्रिय रूप से मुद्दे उठाता रहा हूँ। आरटीआई आवेदनों के लिए 30 दिन की अनिवार्य समय सीमा और अपीलों के लिए 45 दिन की समय सीमा अक्सर केंद्रीय सूचना आयोग में लंबे इंतजार या अस्पष्ट उत्तरों का कारण बनती है, जिससे लोगा. ें को या तो यथास्थिति से समझौता करना पड़ता है या फिर सांस रोकनी पड़ती है, क्योंकि देरी की अवधि अब गज में नहीं, बल्कि मीलों में मापी जाती है। अपवादों को छोड़कर, यह भ्रष्टाचार उन लोगों की रगों में गहराई तक समा चुका है जिन्होंने दिशानिर्देश बनाए और जिन्हें उन पर निर्णय लेने का काम सौंपा गया है।

संस्थागत विफलताओं को दर्शाने के लिए मैं अपने जीवन के तीन अध्याय प्रस्तुत करता हूँरू सीएटी का भ्रमरू 2019 में, मैंने एक जांच अधिकारी के रूप में एक जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की। विभाग एवं पशु चिकित्सा विभाग के दिशानिर्देशों के अनुसार, मानदेय का 50 प्रतिशत रिपोर्ट प्रस्तुत करने पर और शेष 50 प्रतिशत 45 दिनों के भीतर देय होता है। इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली और मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या मेरी मेहनत कभी रंग लाएगी। 70 वर्ष की आयु में, मैंने केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (सीएटी) का दरवाजा खटखटाया। षनिपटान किए गए मामलोंष की संख्या बढ़ाने की हड़बड़ी में, पीठ ने मेरी याचिका को प्रवेश स्तर पर ही खारिज कर दिया और प्रतिवादियों को ष्स्पष्ट आदेशष पारित करने के लिए 45 दिनों का एक और समय दे दिया। जब इस पर भी कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली, तो मैंने अवमानना घ्याचिका दायर की।

7 अप्रैल 2026 को सुनवाई के दौरान मुझे एक और अड़चन का सामना करना पड़ारू ट्रिब्यूनल ने प्रतिवादियों को जवाब देने के लिए मात्र चार सप्ताह का समय दिया, लेकिन मामले को 8 जुलाई 2026 तक के लिए स्थगित कर दिया। ऐसा करके, इसने जवाबदेही से बचने के लिए दो महीने का समय दे दिया, जिससे 72 वर्षीय व्यक्ति को मिलने वाला ष्शीघ्र न्यायष तारीखों और डायरियों के सन्नाटे में लटका रह गया। पुलिस की चुप्पीरू शोर प्रदूषण और अनधिकृत पार्किंग से तंग आकर, मैंने 2014 में पुलिस आयुक्त को एक ईमेल भेजा। मुझे पावती प्राप्त करके खुशी हुई और मुझे लगा कि अब राहत मिलने वाली है। लेकिन, कानून लागू करने वालों का रवैया अड़ियल हो गया और 2026 में भी मुझे ये पावती मिलती रही, जबकि समय पर निवारण का वादा करने वाले विज्ञापनों के बावजूद मेरी शिकायतें अनसुलझी रहीं।

नागरिक शून्यतारू अतिक्रमणों और मेरे घर के पीछे की सार्वजनिक सड़क को कानून तोड़ने वालों के लिए एक विस्तारित आंगन में बदलने के मामले में एमसीडी और डीडीए का रवैया अभी भी वही है।

यहां तक घ्कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) से कानून प्रवर्तकों की उदासीनता के फोटोग्राफिक सबूतों के साथ संपर्क करने पर भी, केवल षरिपोर्टों पर रिपोर्टष मंगाई गईं, जो अंततः कागजों के ढेर में दबकर गायब हो गईं। जून 1947 में, सरदार वल्लभभाई पटेल ने हमारी सेवा के अग्रदूतों से कहा थारू ष्इस सेवा का भविष्य बहुत हद तक आपके द्वारा रखी जाने वाली नींव और परंपराओं, आपके चरित्र, क्षमताओं और आपकी सेवा भावना पर निर्भर करेगा।ष यह एक मजाक है जब अधिकारी 31 अक्टूबर 2025 को सत्यनिष्ठा की शपथ तो लेते हैं, लेकिन अपने कर्तव्यों को निभाने के लिए प्रतिबद्ध नहीं होते। हम महात्मा गांधी को उनके शहादत दिवस पर याद करते हैं, लेकिन उस देश को भूल जाते हैं जिसका उन्होंने सपना देखा था। न्याय बहुसंख्यक लोगा. ें के लिए कागजी हकीकत बनकर रह गया है।

हम 80 प्रतिशत आबादी को मुफ्त राशन देते हैं क्योंकि वे इतने गरीब हैं कि भोजन का खर्च नहीं उठा सकते दृ क्या यही वह न्याय है जिसका हमने उनसे वादा किया था? सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, यदि कुछ ही लोगों के लिए आरक्षित रहेगा, तो इससे केवल असंतुलित विकास ही होगा।

अपने अधिकारों की खोज में मैंने पाया है कि आम आदमी द्वारा फेंके गए पासे के सभी छह पक्षों पर शून्य होता है। वहीं, कुछ लोगों के पास ऐसे पासे होते हैं जिनके सभी पक्षों पर छह होते हैं, और वे ष्अनावश्यक कारणों से दूसरों को नीचे खींच लेते हैं। 2009 में मैंने लिखा था मैं डर में जीता हूँ, लेकिन मुझे आंसू बहाने की आजादी है। हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की बात करते हैं, लेकिन हम वास्तव में एक वैश्विक शक्ति तभी बनेंगे जब प्रशासन, राष्ट्रीय आर्थिक आयोग और न्यायिक मंच न्याय को एक भ्रम के बजाय वास्तविकता बना देंगे। क्या ऐसा कभी होगा, या बहुत से लोग अपनी आँखें बंद करके, केवल जीवित रहने के लिए न्याय की एक बूंद की तलाश करते रहेंगे?

(लेखक एक सेवानिवृत्त निदेशक और एक कार्यरत अधिवक्ता हैं।)

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

कैबिनेट ने नकदी संकट को कम करने के लिए ईसीएलजीएस 5.0 लॉन्च किया, लक्ष्य 2.55 लाख करोड़ रूपये का ऋण वितरण करना है

नई दिल्ली

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बैठक के बाद बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंगलवार को पश्चिम एशिया में चल रहे संकट से प्रभावित व्यवसायों को अतिरिक्त तरलता सहायता प्रदान करने के लिए आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) 5. 0 को मंजूरी दे दी है।

पत्रकारों को संबोधित करते हुए वैष्णव ने कहा कि इस योजना के तहत नेशनल क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड के माध्यम से सदस्य ऋण संस्थानों को क्रेडिट गारंटी कवरेज प्रदान किया जाएगा, जिससे वे पात्र उधारकर्ताओं को अतिरिक्त ऋण उपलब्ध करा सकेंगे। उन्होंने आगे कहा, "यह योजना पश्चिम एशिया में बदलती भू–राजनीतिक स्थिति के कारण उत्पन्न अल्पकालिक तरलता संकट से निपटने में व्यवसायों की मदद करने के लिए बनाई गई है।"

ईसीएलजीएस 5.0 के तहत, सरकार अति. रिक्त ऋण पर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए 100: और गैर–एमएसएमई तथा विमानन क्षेत्र के लिए 90: गारंटी कवरेज प्रदान करेगी। इस योजना का उद्देश्य 25 लाख करोड़ रुपये के कुल अतिरिक्त ऋण प्रवाह को सुगम बनाना है, जिसमें विमानन क्षेत्र के लिए विशेष रूप से 5000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

पात्र लाभार्थियों में मौजूदा कार्यशील पूंजी सीमा वाले डैडम और गैर–डैडम शामिल हैं, साथ ही वे अनुसूचित यात्री एयरलाइनें भी शामिल हैं जिनके पास 31 मार्च, 2026 तक बकाया ऋण सुविधाएं थीं, बशर्ते उनके खाते मानक श्रेणी में आते हों। व्यवसाय वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही के दौरान अपनी अधिकतम कार्यशील पूंजी उपयोग के 20: तक अतिरिक्त ऋण प्राप्त कर सकते हैं, जिसकी अधिकतम सीमा 100 करोड़ रुपये है, जबकि एयरलाइनें अपने बकाया ऋणों के 100: तक सहायता प्राप्त कर सकती हैं, जो प्रति उधारकर्ता 1,500 करोड़ रुपये की सीमा और अन्य शर्तों के अधीन है।

इस योजना के तहत दिए जाने वाले ऋणों पर कोई गारंटी शुल्क नहीं लगेगा। लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) और गैर–एमएसएमई के लिए ऋण की अवधि पांच वर्ष होगी, जिसमें एक वर्ष का मोरेटोरियम शामिल है, जबकि एयरलाइंस के लिए ऋण की अवधि सात वर्ष होगी जिसमें दो वर्ष का मोरेटोरियम शामिल है। गारंटी कवर ऋण की अवधि के साथ ही समाप्त हो जाएगा।

यह योजना एनसीजीटीसी द्वारा दिशानिर्देश जारी करने की तिथि से 31 मार्च, 2027 तक स्वीकृत सभी ऋणों पर लागू होगी।

अधिकारियों ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच व्यवसायों को परिचालन जारी रखने, रोजगारा. की सुरक्षा करने और आपूर्ति श्रृंखलाओं को बनाए रखने में मदद करना है। सरकार को उम्मीद है कि यह योजना घरेलू उत्पादन की निरंतरता और आर्थिक मजबूती सुनिश्चित करते हुए लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) और विमानन क्षेत्र को उनकी कार्यशील पूंजी की जरूरतों को पूरा करने में सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

कोविड–19 महामारी के दौरान आपातकालीन तरलता सहायता प्रदान करने के लिए शुरू की गई ईसीएलजीएस योजना को आर्थिक चुनौतियों से निपटने के लिए चरणबद्ध तरीके से विस्तारित किया गया है। ईसीएलजीएस 5. 0 के कार्यान्वयन के साथ, सरकार का उद्देश्य बाहरी झटकों के प्रभाव को कम करना और अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में स्थिरता को मजबूत करना है।

इंडिगो की हैदराबाद-चंडीगढ़ उड़ान में पावर बैंक फटने से पांच यात्री घायल हो गए

नई दिल्ली

मंगलवार को हैदराबाद से चंडीगढ़ आ रही इंडिगो की एक फ्लाइट में पावर बैंक फटने से कम से कम पांच यात्री घायल हो गए। यह घटना फ्लाइट 6म 108 में लैंडिंग के तुरंत बाद हुई, जब वह चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर पार्किंग बे की ओर जा रही थी।

विस्फोट के कारण केबिन धुएं से भर गया, जिससे विमान में सवार 198 यात्रियों में दहशत फैल गई।

एयरलाइन सूत्रों के अनुसार, 198 यात्रियों, दो शिशुओं और छह चालक दल के सदस्यों को ले जा रहा विमान दोपहर लगभग 3रू29 बजे सुरक्षित रूप से उतर गया। जैसे ही विमान बे नंबर एक की ओर बढ़ा, 39ब् सीट पर बैठे एक यात्री ने केबिन क्रू को सूचित किया कि बैग में रखे एक पावर बैंक में आग लग गई और बाद में वह फट गया।

चालक दल ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आग बुझाने के लिए अग्निशामक यंत्रों का इस्तेमाल किया, लेकिन विमान के अंदर जमा हो रहे घने धुएं के कारण आपातकालीन प्रोटोकॉल को लागू करना आवश्यक हो गया। आपातकालीन प्रक्रियाओं का पालन करते हुए, चालक दल के सदस्यों ने दोपहर 3:35 बजे आपातकालीन निकास द्वार खोल दिए और यात्रियों को एयर स्लाइड के माध्यम से बाहर निकाला गया। वायु सेना की दमकल टीम कुछ ही मिनटों में मौके पर पहुंच गई, हालांकि एयरलाइन कर्मचारियों द्वारा स्थिति को पहले ही नियंत्रण में कर लिया गया था। प्रभावित यात्रियों को तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान की गई, घटनास्थल से प्राप्त दृश्यों में कम से कम एक महिला को एम्बुलेंस में ले जाते हुए दिखाया गया है।

इंडिगो ने एक बयान जारी कर पुष्टि की कि एहतियात के तौर पर विमान को खाली करा लिया गया था और सभी संबंधित अधिकारियों को सूचित कर दिया गया था।

एयरलाइन ने इस बात पर जोर दिया कि यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और बताया कि विमान को सेवा में वापस लाने से पहले एक व्यापक तकनीकी निरीक्षण से गुजरना होगा। यह उल्लेख करना प्रासंगिक है कि नागरिक उड्डयन महानिद. शालय (डीजीसीए) ने लिथियम बैटरी से जुड़े आग के जोखिमों का हवाला देते हुए, जनवरी 2026 से उड़ानों के दौरान उपकरणों को चार्ज करने के लिए पावर बैंक के उपयोग पर सख्त प्रतिबंध लागू किया था।

हालांकि इन उपकरणों को केवल हैंड बैगेज में ले जाने की अनुमति है ताकि ओवरहीटिंग की स्थिति में तुरंत पता लगाया जा सके, लेकिन डीजीसीए के दिशानिर्देश उड़ान के दौरान इनका उपयोग करने या इन्हें ओवरहेड डिब्बे में रखने पर सख्ती से रोक लगाते हैं, जहां चालक दल द्वारा धुएं या आग पर ध्यान नहीं दिया जा सकता है।

इस खराबी के सटीक कारण का पता लगाने के लिए पुलिस और हवाई अड्डा अधिकारियों द्वारा संयुक्त जांच चल रही है।

14 मई को बाढ़ का अभ्यास, लू की चेतावनी जारी: हरियाणा ने प्रमुख तैयारियों के उपायों की घोषणा की

नई दिल्ली

राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की वित्त आयुक्त डॉ. सुमिता मिश्रा ने आगामी मानसून और ग्रीष्म ऋतु के लिए हरियाणा की तैयारियों के साथ–साथ आने वाले दिनों में लागू होने वाले प्रमुख शासन सुधारों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की।

डॉ. सुमिता मिश्रा मंगलवार को यहां इंस्टीट्यूट फॉर द ब्लाइंड के 54वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में भाग लेने के बाद मीडियाकर्मियों से बातचीत कर रही थीं।

संस्था द्वारा 150 से अधिक विशेष रूप से सक्षम बच्चों, जिनमें बड़ी संख्या में लड़कियां शामिल हैं, को शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करने के प्रयासों की सराहना करते हुए, उन्होंने समाज में एक सहायक मानसिकता के महत्व पर जोर दिया और कहा कि ऐसी पहल न केवल एक नेक सेवा है बल्कि एक सामूहिक जिम्मेदारी भी है।

आपदा की तैयारियों के बारे में विस्तार से बताते हुए, डॉ. मिश्रा ने जानकारी दी कि हरियाणा सरकार राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के समन्वय से 2026–27 के वार्षिक राज्य/केंद्र शासित प्रदेश मॉक एक्सरसाइज कैलेंडर के तहत 14 मई को 13 संवेदनशील जिलों में राज्य स्तरीय, बहु–चरणीय बाढ़ मॉक ड्रिल का आयोजन करेगी।

यह अभ्यास तीन चरणों में होगा, जिसकी शुरुआत 6 मई को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एक ओरिएंटेशन और समन्वय सम्मेलन से होगी, इसके बाद 12 मई को आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणालियों, संचार प्रोटोकॉल और सिमुलेशन परिदृश्यों पर केंद्रित एक टेबल टॉप एक्सरसाइज होगी, और अंत में 14 मई को सभी एजेंसियों, अग्रिम पंक्ति के उत्तरदाताओं और जनता की भागीदारी के साथ एक पूर्ण पैमाने पर जमीनी स्तर का मॉक ड्रिल होगा।

गुरुग्राम, अंबाला, फरीदाबाद, फतेहाबाद, कैथल, करनाल, कुरुक्षेत्र, पंचकुला, पानीपत, पलवल, सिरसा, सोनीपत और यमुनानगर जिलों का चयन नदियों और नहरों से उनकी निकटता और बाढ़ के प्रति उनकी पूर्व संवे. दनशीलता के आधार पर किया गया है। उन्होंने कहा कि इस अभ्यास का उद्देश्य अंतर–एजेंसी समन्वय को मजबूत करना, तैयारियों के स्तर का आकलन करना और मानसून से पहले रसद और प्रतिक्रिया तंत्र में कमियों की पहचान करना है।

डॉ. मिश्रा ने कहा कि आने वाले दिनों में गर्म मौसम की स्थिति को देखते हुए, बढ़ते तापमान और सामान्य से अधिक गर्मी के पूर्वानुमान के मद्देनजर सभी जिलों में एक व्यापक स्वास्थ्य सलाह पहले ही लागू कर दी गई है।

अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) सहित सभी सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं को ओआरएस, आईवी फ्लूइड, आइस पैक और आवश्यक आपातकालीन उपकरणों का पर्याप्त स्टॉक बनाए रखने का निर्देश दिया गया है, जबकि जिला स्तरीय संस्थानों में हीटस्ट्रोक प्रबंधन के लिए विशेष इकाइयां स्थापित की जा रही हैं। गर्मी से संबंधित बीमारियों की दैनिक निगरानी केंद्रीय स्तर पर की जा रही है और एम्बुलेंस सेवाओं में पहले ठंडा करें, फिर परिवहन करेंप्रोटोकॉल लागू किया गया है।

भाजपा ने संजय राउत द्वारा पाकिस्तान शैली के चुनाव की आलोचना की

नई दिल्ली

भाजपा ने मंगलवार को उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के राज्यसभा सांसद और शिवसेना के मुख्य प्रवक्ता संजय राउत की कड़ी निंदा की, जिन्होंने भारत में ष्पाकिस्तानष् शैली के चुनाव कराने के लिए मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला था।

"पश्चिम बंगाल में विपक्ष की हार भारत में लोकतंत्र के लिए एक चेता. वनी है। सत्ताधारी दल विपक्षी दलों को बचाना चाहता है। अगर ऐसा है, तो विपक्षी दलों को चुनाव लड़ना बंद कर देना चाहिए। पाकिस्तान और रूस में भी ऐसे ही चुनाव होते हैं। मैंने अज़रबैजान में तो चुनाव से पहले ही नतीजे घोषित होते देखे हैं। भारत में भी लोकतंत्र उसी राह पर है," संजय राउत ने कहा।

संजय राउत ने कहा कि भाजपा, प्रधानमंत्री मोदी और उनका पूरा मंत्रिमंडल साल के 365 दिन ष्चुनाव मोडष् में रहता है।

"उन्हें विकास, रोजगार, सुरक्षा और महिलाओं की सुरक्षा जैसे अन्य मुद्दों की कोई परवाह नहीं है। उनकी एकमात्र चिंता चुनाव लड़ना और जीतना है। दुनिया में इतनी बड़ी–बड़ी घटनाएं हो रही हैं, लेकिन प्रधानमंत्री ने पांच राज्यों के चुनावों में दो महीने लगा दिए। केंद्रीय गृह मंत्री 20 दिनों तक पश्चिम बंगाल में डेरा डाले रहे। उनकी सारी शक्ति और धन केवल चुनाव जीतने में खर्च हो रहा है। चुनाव कैसे जीते या हारे जाते हैं, इस पर कोई चर्चा नहीं हो सकती। चुनाव परिणामों को आँख बंद करके स्वीकार करना होगा। इसलिए विपक्षी दलों को एक बार फिर उठकर लोकतंत्र के लिए लड़ना होगा," संजय राउत ने कहा।

"हर राज्य में लाखों मतदाताओं के नाम काट दिए जाते हैं और मतदाताओं की संख्या कम करके जीत हासिल की जाती है। चुनाव आयोग इस अपराध में शामिल है। इस तरह चुनाव जीतने के बाद वे मृत लोकतंत्र की छाती पर नाच कर अपनी जीत का जश्न मनाते हैं," संजय राउत ने कहा।

डीसी बनाम सीएसके आईपीएल 2026 : दिल्ली कैपिटल्स की अहम जीत की निगाह में अक्षर पटेल ने बल्लेबाजी करने का फैसला किया

नई दिल्ली

दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने मंगलवार को अरुण जेटली स्टेडियम में आईपीएल 2026 के मैच 48 में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का विकल्प चुना।

दोनों टीमें नौ मैचों में आठ–आठ अंक पर बराबरी पर हैं, इसलिए प्लेऑफ की दौड़ में इस मुकाबले का काफी महत्व है। सीएसके बेहतर नेट रन रेट के कारण छठे स्थान पर है, जबकि डीसी ठीक उसके पीछे सातवें स्थान पर है, जिससे दोनों टीमों के लिए यह मैच जीतना बेहद जरूरी हो गया है।

राजस्थान रॉयल्स पर रोमांचक जीत के बाद दिल्ली नए आत्मविश्वास के साथ मैदान में उतरेगी, लेकिन घरेलू मैदान पर उनकी कमजोरियां चिंता का विषय बनी हुई हैं। इस सीजन में अरुण जेटली स्टेडियम में कैपिटल्स का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है, जिसमें करारी हार और मजबूत बल्लेबाजी के बावजूद करीबी हार शामिल हैं।

अपनी फील्डिंग में सुधार करना, खासकर टूर्नामेंट में सबसे कम कैचिंग क्षमता को कम करना, घरेलू मैदान पर उनके प्रदर्शन को पलटने के लिए महत्वपूर्ण होगा।

दूसरी ओर, चेन्नई सुपर किंग्स मुंबई इंडियंस पर शानदार जीत के बाद पूरे जोश में मैदान में उतरेगी। रुतुराज गायकवाड़ की कप्तानी में, सीएसके ने शुरुआत में उतार–चढ़ाव के बाद धीरे–धीरे संतुलन हासिल कर लिया है, और विभिन्न विभागों के खिलाड़ियों के योगदान से उनकी पारी को मजबूती मिली है।

दिल्ली की पिच से शुरुआती ओवरों में बल्लेबाजी के लिए अच्छी पिच मिलने की उम्मीद है, जबकि मैच आगे बढ़ने के साथ गेंदबाजों को कुछ मदद मिलेगी। हालांकि इस मैदान पर लक्ष्य का पीछा करना आमतौर पर बेहतर माना जाता है, लेकिन डीसी को भरोसा है कि वे स्कोरबोर्ड पर रन बनाकर दबाव बना लेंगे और इस अहम मुकाबले में टीम को जीत दिलाएंगे।

डीसी बनाम सीएसके आईपीएल 2026 : प्लेइंग 11

दिल्ली कैपिटल्स : केएल राहुल (विकेटकीपर), पथुम निसांका, नितीश राणा, ट्रिस्टन स्टब्स, अक्षर पटेल (कप्तान), आशुतोष शर्मा, मिशेल स्टार्क, कुलदीप यादव, टी नटराजन, लुंगी एनगिडी, करुण नायर

चेन्नई सुपर किंग्सरू रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे, जेमी ओवरटन, उर्विल पटेल, नूर अहमद, अंशुल कंबोज, मुकेश चौधरी, अकील होसेन, गुरजापनीत सिंह

शास्त्री ने कहा, प्रदर्शन में निरंतरता की कमी है, क्योंकि एलएसजी को लगातार छठी हार का सामना करना पड़ा

नई दिल्ली

पूर्व भारतीय क्रिकेटर रवि शास्त्री ने आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स के खराब प्रदर्शन के पीछे उनकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी इकाइयों के बीच असंगति को मुख्य कारण बताया है, क्योंकि उन्हें लगातार छठी हार का सामना करना पड़ा है।

सोमवार को वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस ने एलएसजी को छह विकेट से हरा दिया, हालांकि उन्होंने 228/5 का मजबूत स्कोर बनाया था। एमआई ने रोहित शर्मा (84) और रयान रिकेल्टन (83) के बीच 143 रनों की सलामी साझेदारी की बदौलत 18.4 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। एलएसजी की मौजूदा समस्याओं का विश्लेषण करते हुए शास्त्री ने कहा कि टीम संपूर्ण प्रदर्शन करने में विफल रही है।

"एलएसजी की समस्या यह है कि जब उनकी गेंदबाजी अच्छी चलती है, तो बल्लेबाज उनका साथ नहीं दे पाते, और जब बल्लेबाज रन बनाते हैं, तो गेंदबाज जमकर रन लुटाते हैं। उनमें निरंतरता नहीं है," शास्त्री ने जियोहॉटस्टार पर कहा। "लगातार छह हार किसी भी टीम के आत्मविश्वास को बुरी तरह से प्रभावित कर सकती हैं, और यहां तक कि उन मैचों में भी जहां आप अच्छी स्थिति में होते हैं, मन में यह सवाल उठता है, श्क्या हम जीतेंगे या नहीं?"

शास्त्री ने अनुकूल परिस्थितियों में, विशेष रूप से बल्लेबाजी करते हुए, मजबूत शुरुआत का फायदा उठाने में एलएसजी की अक्षमता को भी उजागर किया। उन्होंने आगे कहा, "सात ओवरों में आपका स्कोर 100 रन पर एक विकेट है, और अगले 13 ओवरों में आप 130 से कम रन बनाते हैं, जिसका मतलब है कि आप लड़खड़ा गए हैं। और इससे बेहतर बल्लेबाजी परिस्थितियां आपको नहीं मिलेंगी।"

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अगर फ्रेंचाइजी को प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी थोड़ी सी उम्मीदों को जिंदा रखना है तो उसे खेल के महत्वपूर्ण चरणों में अपने दृष्टिकोण का तत्काल पुनर्मूल्यांकन करना होगा। शास्त्री ने कहा, उन्हें बैठकर इस बारे में सोचना होगा कि बल्लेबाजी करते हुए आखिरी तीन ओवरों में क्या गलत हुआ और वे अपनी गेंदबाजी को कैसे मजबूत कर सकते हैं।

शास्त्री ने गेंदबाजों से विभिन्न मैदानों और परिस्थितियों के अनुरूप बेहतर ढंग से ढलने का भी आह्वान किया।

"गेंदबाजों को परिस्थितियों के अनुसार अपनी लाइन और लेंथ में बदलाव करना होगा। लखनऊ की पिच तेज गेंदबाजों के लिए मददगार होती है, लेकिन जब आप बेंगलुरु या मुंबई जाते हैं और वहां बल्लेबाजी के लिए अच्छी पिचें मिलती हैं, तो असली परीक्षा वहीं होती है," उन्होंने निष्कर्ष निकाला।

"15 अंकों का बड़ा प्रशंसक नहीं": एचएस प्रणॉय ने बीडब्ल्यूएफ की नई 3×15 स्कोरिंग प्रणाली पर सवाल उठाए

नई दिल्ली

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी एचएस प्रणॉय ने बैडमिंटन विश्व महासंघ द्वारा जनवरी 2027 से 3×15 अंकों की स्कोरिंग प्रणाली शुरू करने के फैसले पर चिंता जताई है, उनका कहना है कि मौजूदा 21 अंकों का प्रारूप खिलाड़ी के खेल का अधिक संपूर्ण और चुनौतीपूर्ण परीक्षण प्रदान करता है।

हालांकि प्रणॉय ने यह स्वीकार किया कि नियम में बदलाव से खेल को एक नया आयाम मिला है, लेकिन उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया कि वह इससे पूरी तरह आश्वस्त नहीं हैं।

"यह दिलचस्प होने वाला है। जाहिर है, अंक. ों में बदलाव खेल का एक दिलचस्प पहलू है। मैं 15 अंकों का समर्थक नहीं हूं; मेरे हिसाब से 21 अंक सबसे अच्छे थे। खिलाड़ी के तौर पर हम सभी इस बात से सहमत थे," उन्होंने भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) द्वारा आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा।

प्रणॉय ने बताया कि छोटे प्रारूपों से अनिश्चितता बढ़ सकती है, खासकर मुश्किल खेल परिस्थितियों में। उन्होंने कहा कि मौजूदा प्रणाली के तहत भी, हवा के बहाव से प्रभावित मैदानों पर मैच तेजी से आगे बढ़ सकते हैं, और अंकों को और कम करने से वापसी की गुंजा. इश बहुत कम रह जाएगी।

उन्होंने चेतावनी दी कि मैच घटकर मात्र 20–25 मिनट के हो सकते हैं, जिससे प्रतिस्पर्धात्मक संतुलन और दर्शकों की भागीदारी दोनों प्रभावित हो सकती हैं।

साथ ही, भारतीय दिग्गज खिलाड़ी ने इसके संभावित लाभों को भी स्वीकार किया। छोटे मैच खिलाड़ियों को आराम करने के लिए अधिक समय दे सकते हैं, जिससे लगातार मैचों के कारण होने वाले शारीरिक तनाव को कम किया जा सकता है। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि तेज गति के अनुकूल होना महत्वपूर्ण होगा, खासकर युवा खिलाड़ियों के लिए, क्योंकि उन्हें इस बदलाव से अधिक लाभ मिल सकता है।

प्रणॉय की ये टिप्पणियां थॉमस कप 2026 में भारत के कांस्य पदक जीतने के बाद आई हैं, जो टूर्नामेंट में उनका केवल दूसरा पोडियम परिणाम है। इससे मुख्य समूह की ताकत और फ्रांस से सेमीफाइनल में मिली करारी हार के बाद टीम की गहराई को लेकर चिंताओं दोना. ं पर प्रकाश डाला गया है।

भारत के युगल स्टार चिराग शेट्टी ने भी प्रस्तावित बदलाव पर अपनी राय व्यक्त करते हुए बताया कि यह खेल की लय और मांगों को किस प्रकार महत्वपूर्ण रूप से बदल सकता है।

इससे भी छोटे प्रारूपों को लेकर पहले हुई चर्चाओं को याद करते हुए चिराग ने कहा कि खिलाड़ियों ने अतीत में ऐसे कदमों का विरोध किया था। उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि 6–7 साल पहले, जब इसे पहली बार पेश किया गया था, तब वे इसे 11.5 गेम में बदलने की योजना बना रहे थे। उस समय हम सभी खिलाड़ी सामूहिक रूप से ऐसा नहीं चाहते थे क्योंकि इससे बैडमिंटन खेलने का तरीका पूरी तरह से बदल जाता।"

छोटे प्रारूपों में अपने अनुभव के आधार पर, उन्होंने समझाया कि खिलाड़ियों के पास उबरने या वापसी करने के लिए बहुत कम समय होगा। उन्होंने आगे कहा, "जब तक आप वास्तव में तैयार होते हैं, तब तक दो मैच बीत चुके होते हैं। आप पहले ही दो मैच पीछे हो चुके होते हैं। इसलिए इससे खेल पूरी तरह बदल सकता था, लेकिन 15 फिर भी 21 के कुछ हद तक समान है।"

चिराग ने इस बात पर जोर दिया कि पारंपरिक 21–पॉइंट प्रणाली सहनशक्ति और सामरिक गहराई का परीक्षण करती है, जबकि प्रस्तावित प्रारूप खेल को गति और शक्ति की ओर झुका सकता है।

क्या आप ब्रेक लेना चाहते हैं? : खराब फॉर्म जारी रहने के बीच पूर्व क्रिकेटर ने बुमराह से खुलकर बातचीत करने का आग्रह किया

नई दिल्ली

मुंबई इंडियंस ने लखनऊ सुपर जायंट्स पर शानदार जीत दर्ज की, लेकिन मैच के बाद सबसे बड़ा सवाल यह था कि आईपीएल 2026 में जसप्रीत बुमराह का खराब प्रदर्शन जारी रहेगा या नहीं। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वेदा कृष्णमूर्ति ने मुंबई इंडियंस के प्रबंधन और स्टार तेज गेंदबाज के बीच खुली और ईमानदार बातचीत का आह्वान किया है, उनका सुझाव है कि प्रबंधन को उनकी शारीरिक और मानसिक स्थिति की जांच करने की आवश्यकता हो सकती है क्योंकि उनकी परेशानियां बनी हुई हैं। बुमराह को वानखेड़े स्टेडियम में एक और निराशाजनक प्रदर्शन का सामना करना पड़ा और एलएसजी के खिलाफ उनका प्रदर्शन 0/45 रहा।

यह इस सीजन में सातवीं बार था जब इस प्रमुख तेज गेंदबाज को कोई विकेट नहीं मिला। ईएसपीएनक्रिकइंफो पर बोलते हुए, वेदा ने एमआई सेटअप के भीतर सीधे संवाद के महत्व पर जोर दिया, खासकर बुमराह की भूमिका और अनुभव को देखते हुए।

साप्ताहिक सबका जम्मू कश्मीर

विधायक मद से बने सीसी रोड में भ्रष्टाचार की खुली पोल सात माह में उखड़ी सड़क, ग्रामीणों में आक्रोश कार्यवाही की मांग'

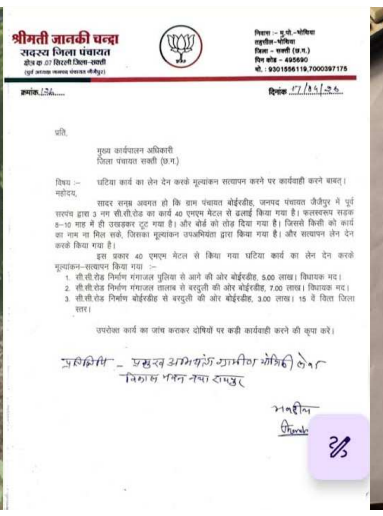

सबका जम्मू कश्मीर

सक्ती – जिला अंतर्गत जैजैपुर जनपद पंचायत क्षेत्र की ग्राम पंचायत बोईरडीह में विधायक मद एवं 15वें वित्त आयोग की राशि से निर्मित सीसी रोड में कथित भ्रष्टाचार और भारी अनियमितता का मामला सामने आया है। करोड़ों के विकास दावों के बीच गांव की सड़क निर्माण कार्य की गुणवत्ता की पोल खोल दी है। सड़क निर्माण के महज सात से आठ महीने के भीतर ही जगह–जगह से उखड़ने लगी, जिससे ग्रामीणों में भारी नाराजगी देखी जा रही है।

ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने निर्माण कार्य में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए संबंधित अधिकारियों को लिखित शिकायत सौंपकर निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण एजेंसी और जिम्मेदार अधिकारियों की मिलीभगत से घटिया सामग्री का उपयोग कर सरकारी राशि का दुरुपयोग किया गया।

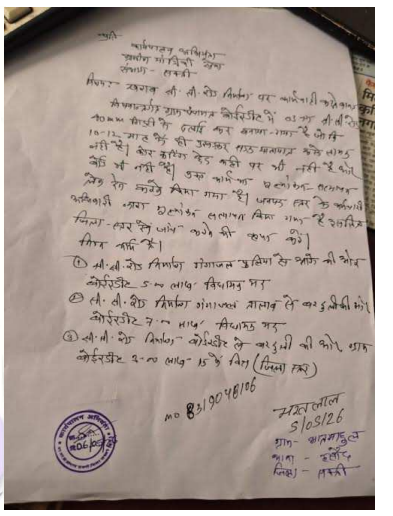

ग्रामीणों के अनुसार सीसी रोड निर्माण में तकनीकी मापदंडों की खुलेआम अनदेखी की गई। जहां सड़क निर्माण में 20 एमएम गिट्टी का उपयोग किया जाना था, वहां 40 एमएम गिट्टी डाल दी गई। इतना ही नहीं, सीमेंट और अन्य निर्माण सामग्री की गुणवत्ता भी बेहद खराब बताई जा रही है। परिणामस्वरूप लाखों रुपये की लागत से बनी सड़क कुछ ही महीनों में जवाब देने लगी।

ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की स्थिति देखकर साफ अंदाजा लगाया जा सकता है कि निर्माण कार्य किस स्तर का किया गया है। जगह–जगह सड़क उखड़ रही है और गिट्टियां बाहर निकलने लगी हैं। इससे लोगों को आवागमन में भी परेशानी हो रही है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य केवल कागजों में गुणवत्ता पूर्ण दिखाया गया, जबकि जमीनी स्तर पर भारी लापरवाही बरती गई।

मामले में एक और गंभीर आरोप यह भी लगाया गया है कि निर्माण कार्य से संबंधित सूचना बोर्ड और पोर्टल को जानबूझकर क्षतिग्रस्त कर दिया गया ताकि ग्रामीणों को निर्माण लागत, कार्य एजेंसी और स्वीकृत राशि की जानकारी न मिल सके। ग्रामीणों का कहना है कि सूचना छिपाकर पूरे मामले को दबाने का प्रयास किया गया। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत बोईरडीह में गंगाजल पुलिया से आगे की ओर लगभग 5 लाख रुपये, गंगाजल तालाब से बरदुली मार्ग की ओर लगभग 7 लाख रुपये विधायक मद से तथा बोईरडीह से बरदुली मार्ग की ओर लगभग 3 लाख रुपये 15वें वित्त आयोग मद से सीसी रोड निर्माण कराया गया था। कुल मिलाकर लगभग 15 लाख रुपये की लागत से सड़क निर्माण कार्य हुआ, जिस पर अब गंभीर भ्रष्टाचार के आरोप लग रहे हैं।

ग्रामीणों ने जनपद पंचायत जैजैपुर एवं जिला पंचायत सक्ती के अधिकारियों से मांग की है कि निर्माण कार्य की तकनीकी जांच कर संबंधित ठेकेदार, इंजीनियर और जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाता है या फिर यह मामला भी अन्य शिकायतों की तरह फाइलों में दबकर रह जाएगा।

भारत और वियतनाम ने अपने संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी के उन्नत स्तर पर पहुंचाया; 25 अरब अमेरिकी डॉलर के व्यापार का लक्ष्य निर्धारित किया

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : बुधवार को भारत और वियतनाम ने अपने संबंधों को उन्नत व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक पहुंचाया और 2030 तक 25 अरब अमेरिकी डॉलर के वार्षिक व्यापार का लक्ष्य निर्धारित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वियतनामी राष्ट्रपति तो लाम के बीच हुई वार्ता में बढ़ते भू–राजनीतिक उथल–पुथल के मद्देनजर व्यापार, रक्षा और महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों के विस्तार पर जोर दिया गया।

मोदी–लाम की मुलाकात के बाद, दोनों पक्षों ने 13 समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जो डिजिटल भुगतान, दुर्लभ खनिज, फार्मास्यूटिकल्स, शिक्षा, बैंकिंग और संस्कृति सहित विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देंगे।

मोदी और लाम ने हिंद–प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता के बीच की स्थिति पर भी विचार–विमर्श किया और कानून के शासन, शांति, स्थिरता और समृद्धि में योगदान जारी रखने पर सहमति व्यक्त की।

ऐसा माना जाता है कि दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती सैन्य शक्ति का प्रदर्शन भी दोनों पक्षों के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता में चर्चा का विषय रहा।

इस महीने की शुरुआत में राष्ट्रपति चुनी गईं लाम ने मंगलवार को भारत की अपनी पहली राजकीय यात्रा शुरू की, जिसमें वे एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रही हैं। यह यात्रा तीन दिनों की है।

"एक दशक पहले, वियतनाम आसियान (दक्षिण–पूर्व एशियाई देशों का संगठन) में भारत का पहला व्यापक रणनीतिक साझेदार बना। तब से, हमारे संबंधों ने तीव्र और व्यापक प्रगति की है," मोदी ने अपने मीडिया बयान में कहा।

"इस मजबूत नींव पर आगे बढ़ते हुए, आज हम अपने संबंधों को उन्नत व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक ले जा रहे हैं। अब हम अपनी साझेदारी को और भी उच्च लक्ष्यों की ओर ले जाएंगे," उन्होंने कहा।

"संस्कृति, संपर्क और क्षमता निर्माण के साथ–साथ सुरक्षा, स्थिरता और आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन दृ हर क्षेत्र में हमारा सहयोग नए स्तरों पर पहुंचेगा," मोदी ने आगे कहा।

उन्होंने बताया कि भारत और वियतनाम के बीच द्विपक्षीय व्यापार पिछले दशक में दोगुना होकर 16 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया है और अब लक्ष्य इसे 2030 तक 25 अरब अमेरिकी डॉलर तक बढ़ाना है।

मोदी ने दोनों देशों के बीच हस्ताक्षरित कई समझौतों का हवाला देते हुए इस बात पर जोर दिया कि आर्थिक सहयोग में आगे चलकर महत्वपूर्ण वृद्धि होने की उम्मीद है।

"हमारे औषधि प्राधिकरणों के बीच हुए समझौता ज्ञापन से अब वियतनाम में भारतीय दवाओं की उपलब्धता बढ़ेगी।"

कैबिनेट विस्तार में देरी पर भाजपा का हमला, एनसी सरकार पर गंभीर आरोप

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता और पूर्व उप महापौर अधिवक्ता पूर्णिमा शर्मा ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार पर तीखा हमला करते हुए प्रशासनिक विफलता, सत्ता के अत्यधिक केंद्रीकरण और जवाबदेही की कमी के आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि लगभग दो वर्ष बीत जाने के बावजूद सरकार जनहित से जुड़े मुद्दों पर प्रभावी ढंग से काम करने में असफल रही है।

पूर्णिमा शर्मा ने कैबिनेट विस्तार में हो रही देरी को लेकर भी सरकार को घेरा और इसे जम्मू–कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के भीतर चल रहे आंतरिक मतभेदों का परिणाम बताया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस की स्थिति अत्यंत कमजोर हो चुकी है और पार्टी नेतृत्व को यह भय है कि जैसे ही कैबिनेट का विस्तार होगा, अंदरूनी विरोध खुलकर सामने आ जाएगा। उनके अनुसार, इससे पार्टी के भीतर असंतोष और विभाजन और अधिक बढ़ सकता है।

उन्होंने आगे आरोप लगाया कि पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मंत्री पद न मिलने से नाराज हैं और खुद को उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी के भीतर परिवारवाद और पक्षपातपूर्ण निर्णय लेने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है, जिससे संगठन में असंतोष पनप रहा है। उनके अनुसार, यह स्थिति भविष्य में पार्टी को विभिन्न गुटों में बांट सकती है।

सरकार के कामकाज पर सवाल उठाते हुए पूर्णिमा शर्मा ने कहा कि वर्तमान व्यवस्था एक व्यक्ति केंद्रित हो गई है, जहां अधिकांश महत्वपूर्ण विभाग मुख्यमंत्री के पास ही केंद्रित हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि वित्त, राजस्व, सामान्य प्रशासन और कई अन्य महत्वपूर्ण विभागों का जिम्मा अभी तक अन्य मंत्रियों को नहीं सौंपा गया है, जिससे प्रशासनिक कामकाज प्रभावित हो रहा है और निर्णय लेने की प्रक्रिया में अनावश्यक देरी हो रही है। उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा प्रशासनिक ढांचे के तहत जिन विभागों का आवंटन नहीं किया गया है, वे सीधे मुख्यमंत्री के अधीन रहते हैं।

इससे एक ही कार्यालय पर अत्यधिक दबाव बढ़ता है और जवाबदेही की भावना कमजोर पड़ती है। उन्होंने दावा किया कि पर्यटन, आवास और शहरी विकास जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी केंद्रीकरण की स्थिति बनी हुई है, जिससे विकास कार्यों की गति प्रभावित हो रही है।

कैबिनेट विस्तार में देरी को लेकर उन्होंने सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि इतने लंबे समय के बाद भी पर्याप्त संख्या में मंत्रियों की नियुक्ति न होना शासन की गंभीर कमजोरी को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि जम्मू–कश्मीर जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र का संचालन केवल एक ही केंद्र से नहीं किया जा सकता और इसके लिए जिम्मेदारियों का उचित वितरण आवश्यक है।

पूर्णिमा शर्मा ने यह भी आरोप लगाया कि सत्ता के अत्यधिक केंद्रीकरण के कारण विकास कार्यों में धीमापन आया है और पारदर्शिता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब निर्णय लेने की शक्ति सीमित लोगों के पास रहती है, तो जवाबदेही स्वतः कम हो जाती है। उनके अनुसार, यही कारण है कि सरकार अपेक्षित परिणाम देने में विफल रही है।

उन्होंने कहा कि जनता को प्रशासनिक देरी, निर्णयहीनता और जमीनी स्तर पर कमजोर शासन का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार का ध्यान जनहित के कार्यों की बजाय आंतरिक समस्याओं को संभालने में अधिक लगा हुआ है, जिससे विकास प्रभावित हो रहा है।

साप्ताहिक राशिफल

मेष

मेष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह कभी खुशी कभी गम लिए रहने वाला है। इस सप्ताह आपक. ो निजी जीवन से लेकर करियर–कारोबार तक में उतार–चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। हालांकि सप्ताह की शुरुआत सामान्य रहने वाली है। इस दौरान व्यक्तिगत और पेशेवेर रूप से खुद को मजबूत पाएंगे। कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। युवाओं का अधिकांश समय मौज–मस्ती करते हुए बीतेगा। घर–परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न होंगे। सप्ताह के मध्य में आपको करियर–कारोबार में कुछ अप्रत्याशित बदलाव को झेलना पड़ सकता है।

इस दौरान नौकरीपेशा लोगों के सिर पर अचानक से अतिरिक्त जिम्मेदारी का बोझ आ सकता है। जिसे पूरा करने के लिए आपको अधिक समय और ऊर्जा खर्च करने की आवश्यकता रहेगी।

वृषभ

वृष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मध्यम फलदायी है। वृष राशि के जो जातक किसी कार्य विशेष के लिए बीते कुछ समय से लगातार प्रयासरत हैं, उन्हें इस सप्ताह भी उससे जुड़ी सफलता के लिए इंतजार करना पड़ सकता है। सप्ताह के उत्तरार्ध के मुकाबले उनका पूर्वार्ध थोड़ा राहत भरा रहने वाला है।

ऐसे में इस राशि के जातकों को अपने करियर–कारोबार और जीवन से जुड़े अहम कार्यों को इसी दौरान करने का प्रयास करना चाहिए। सप्ताह के मध्य में किसी व्यक्ति विशेष से मेल–मुलाकात होगी। जिसकी मदद से अटके कार्यों में धीमी गति से ही लेकिन प्रगति होती नजर आएगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में न सिर्फ कार्यक्षेत्र से जुड़ी बल्कि घर–परिवार से संबंधित समस्याएं भी आपकी परेशानी का कारण बन सकती हैं। इस दौरान पैतृक संपत्ति अथवा किसी जमीन–जायदाद को लेकर विवाद हो सकता है। अचानक से जीवन में तमाम तरह की समस्याएं सामने आने से आपका मन थोड़ा विचलित रह सकता है। हालांकि सुखद पहलू यह है कि इस दौरान आपके संगी–साथी आपकी ढाल बनेंगे और आपके साथ साए की तरह बने रहेंगे।

मिथुन

मिथुन राशि के जातकों को इस सप्ताह सौभाग्य का पूरा साथ मिलेगा। यदि आप किसी कार्य विशेष के लिए लंबे समय से प्रयासरत थे तो उम्मीद का दामन बिल्कुल न छोड़ें क्योंकि इस सप्ताह उसमें आ रही बाधाएं स्वतरू दूर होती हुई नजर आएंगी। सप्ताह के पूर्वार्ध का समय नौकरीपेशा लोगों के लिए अनुकूल रहने वाला है।

इस दौरान आपके शुभचिंतक आपको नेक सलाह देते हुए नजर आएंगे, जिस पर अमल करके आप अपनी चीजों को सुव्यवस्थित कर सकते हैं। सप्ताह के मध्य में किसी तीर्थ स्थान पर जाने का अचानक प्रोग्राम बन सकता है। इस पूरे सप्ताह घरेलू महिलाओं का मन धार्मिक–कार्यों में खूब रमेगा। किसी धार्मिक–आध्यात्मिक व्यक्ति की विशेष कृपा आप पर बरस सकती है। यदि आप व्यवसाय से जुड़े हुए हैं तो आपके लिए सप्ताह के पूर्वार्ध के मुक. ाबले उत्तरार्ध ज्यादा शुभ रहने वाला है। इस दौरान आप आप समझदारी के साथ अपने पैसे का सही जगह निवेश करते हैं तो आपको उससे भविष्य में बड़ा लाभ मिल सकता है। उच्च शिक्षा के लिए प्रयासरत लोगों के लिए यह सप्ताह गुडलक लेकर आएगा।

कर्क

कर्क राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिश्रित फलदायक रहने वाला है। इस सप्ताह इस राशि के जातक. ों को किसी भी फैसले को लेते समय जल्दबाजी करने से बचना चाहिए। रिश्ते–नाते में मिठास बनी रहे और किसी प्रकार की गलतफहमी न पैदा हो इसके लिए स्वजनों के साथ संवाद बनाए रखें।

सप्ताह की शुरुआत में आपको करियर–कारोबार के सिलसिले में बड़े फैसले लेने पड़ सकते हैं। ऐसा करते समय अपने शुभचिंतकों की सलाह अवश्य लें। यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो अपने कार्यक्षेत्र में सीनियर और जूनियर को मिलाकर चलें। यदि कार्यक्षेत्र पर हालात आपके अनुकूल नहीं हैं तो आप उससे बजाय भागने के उसे बेहतर बनाने का प्रयास करें। भूलकर भी आवेश में आकर नौकरी में बदलाव जैसा फैसला लेने से बचें। सप्ताह के मध्य में घरेलू समस्याओं के चलते आपका मन थोड़ा खिन्न रहेगा। इस दौरान आपको आपके विरोधी आप पर हावी होने तथा आपके बनते काम बिगाड़ने की कोशिश कर सकते हैं।

सिंह

सिंह राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मध्यम फलदायी रहने वाला है। इस सप्ताह इस राशि के जातक. ों को अपनी ऊर्जा, धन और समय का प्रबंधन करके चलना उचित रहेगा। सप्ताह की शुरुआत में आपके सिर पर अचानक से कुछ बड़े खर्च आ सकते हैं। इस दौरान कार्य विशेष के लिए लंबी दूरी की यात्रा पर भी अचानक निकलना पड़ सकता है। यात्रा सुखद और नये संपर्कों को बढ़ाने वाली साबित होगी। व्यवसाय से जुड़े लोगों के लिए सप्ताह के उत्तरार्ध के मुकाबले पूर्वार्ध का समय ज्यादा अनुकूल रहने वाला है। ऐसे में आपको अपने कारोबार से जुड़े बड़े फैसले इसी दौरान करने चाहिए। सप्ताह के मध्य में आप कुछ चीजों को लेकर खुद को असमंजस की स्थिति में पा सकते हैं। ऐसे में इस दौरान कोई बड़ा फैसला लेते समय अपने शुभचिंतकों की सलाह अवश्य लें। नौकरीपेशा जातकों इस सप्ताह अपने कार्य दूसरों के भरोसे छोड़ने की बजाय स्वयं बेहतर तरीके से पूरे करने का प्रयास करना चाहिए अन्यथा पूर्व में की गई न सिर्फ आपकी मेहनत बेकार जा सकती है, बल्कि वरिष्ठ अधिकारियों की डांट भी सुननी पड़ सकती है।

कन्या

कन्या राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। यदि आप चाहते हैं कि आपको जीवन में मनचाही सफलता और खुशियां मिले तो आपको अपने कार्य और व्यवहार में आमूलचूल बदलाव लाना होगा और अपने शुभचिंतकों को नाराज करने से बचना होगा। इस सप्ताह आपकी किसी बात या व्यवहार से आपके अपने नाराज हो सकते हैं। वाद–विवाद बढ़ने पर वर्षों से बने रिश्ते में दरार आ सकती है। करियर–कारोबार से लेकर घर–परिवार में सब कुछ अच्छा बना रहे इसके लिए दूसरों से अपेक्षा करने करने की बजाय आपको खुद ही आगे बढ़कर प्रयास करना होगा।

यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो अपने कार्यक्षेत्र में कनिष्ठ लोगों के साथ रुखा व्यवहार न करें और अपने वरिष्ठ लोगों के साथ अच्छा तालमेल बनाए रखें। यदि आप व्यवसायी हैं तो शार्टकट तरीके से लाभ कमाने से बचें और कागजी काम पूरे करके रखें। यदि आप पार्टनरशिप में व्यवसाय करते हैं तो धन का लेनदेन सावधानी के साथ करें।

तुला

तुला राशि के जातकों के लिए करियर और कारोबार की दृष्टि से यह सप्ताह उत्तम और रिश्ते–नाते की दृष्टि से मध्यम फलदायी रहने वाला है।

सप्ताह की शुरुआत में आपको करियर–कारोबार से जुड़ा कोई बहुप्रतीक्षित शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। इस सप्ताह तुला राशि का नौकरीपेशा जातक हो या फिर व्यवसाय से जुड़ा कारोबारी, वह अपना शत प्रतिशत अपने कार्य में देता हुआ नजर आएगा।

खास बात कि उसके प्रयासों को सौभाग्य का भी पूरा साथ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी और सीनियर आपके कामकाज की खुले मन से प्रशंसा करते हुए नजर आएंगे। सप्ताह के अंत तक आपको बड़ा पद अथवा अहम जिम्मेदारी मिल सकती है। यदि आप लंबे समय से किसी नये कारोबार की शुरुआत करने अथवा किसी बड़ी डील को फाइनल करने के लिए प्रयासरत थे तो आपकी यह मनोकामना इस सप्ताह पूरी हो सकती है। यदि आप लंबे समय से रोजी–रोजगार के लिए प्रयासरत थे तो सप्ताह के उत्तरार्ध में आपकी यह मनोकामना पूरी हो सकती है।

वृश्चिक

वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह गुडलक लिए है। इस सप्ताह आपको जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में शुभता–सफलता की प्राप्ति होगी। इस सप्ताह आपके सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होंगे। करियर–कारोबार में मनचाही प्रगति होती नजर आएगी। कार्यक्षेत्र में आपको सीनियर और जूनियर दोनों का सहयोग और समर्थन मिलेगा। व्यवसाय में अच्छा मुनाफा कमाएंगे। यदि आपके कारोबार में बीते समय से कोई अड़चन आ रही थी इस सप्ताह वह किसी व्यक्ति विशेष की मदद से दूर हो जाएगी। मार्केट में आपकी साख बढ़ेगी। यदि आप साझेदारी में व्यवसाय करते हैं तो आप उसके विस्तार की योजना पर काम करेंगे। आपकी योजना को साकार रूप देने के लिए आपके शुभचिंतक और परिजन पूरी मदद करेंगे। इस संबंध में घर–परिवार के किसी वरिष्ठ सदस्य की सलाह लाभदायी साबित होगी। यह सप्ताह पठन–पाठन एवं शोध से जुड़े कार्यों को करने वालों के लिए अत्यधिक शुभ साबित होगा।

धनु

धनु राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह जीवन के नये अवसरों को लेकर आने वाला है, लेकिन उसका लाभ उठाने के लिए आपको आलस्य और आशंका को त्याग कर कठिन परिश्रम और प्रयास करना होगा। इस सप्ताह यदि आप अपने धन, समय और उर्जा का सही दिशा में उपयोग करते हैं तो आपको आशा से अधिक सफलता और लाभ मिल सकता हैं। वहीं इसकी अनदेखी करने पर बनते काम बिगड़ जाने से मन में निराशा के भाव जाग सकते हैं। धनु राशि के जातकों को इस सप्ताह खुले हाथ धन खर्च करने से बचना चाहिए अन्यथा सप्ताह के अंत तक उन्हें उधार मांगने की नौबत आ सकती है। व्यवसाय की दृष्टि से यह सप्ताह आपके लिए मिश्रित फलदायी साबित होने वाला है। इस सप्ताह आपको कारोबार में लाभ तो होगा लेकिन साथ ही साथ खर्च की अधिकता भी बनी रहेगी। धनु राशि के जातकों को इस सप्ताह मौसमी बीमारी को लेकर सतर्क रहने की आवश्यकता रहेगी। अपनी दिनचर्या और खानपान सही रखें अन्यथा पेट संबंधी दिक्कतें हो सकती है। परीक्षा–प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे छात्रों को सप्ताह के मध्य में किसी सुखद समाचार की प्राप्ति संभव है।

मकर

मकर राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह उतार–चढ़ाव लिए रहने वाला है। इस सप्ताह आप अपने करियर–कारोबार में आ रही अड़चनों को लेकर चिंतित रह सकते हैं। कार्यक्षेत्र और कारोबार के अलावा निजी जीवन से जुड़ी समस्याएं भी आपकी बड़ी चिंता का कारण बनेंगी। हालांकि जीवन के कठिन समय में आपके शुभचिंतक एवं परिजन काफी मददगार साबित होंगे और काफी हद तक आप इन समस्याओं का समाधान खोजने में भी कामयाब होंगे। सप्ताह के मध्य में किसी भी कार्य को करते समय विशेष सावधानी बरतें। इस दौरान जल्दबाजी या असमंजस की स्थिति में लिया गया निर्णय आपके लिए हानिकारक साबित हो सकता है। इस दौरान स्वजनों के साथ बात–व्यवहार करते समय विनम्रता से पेश आएं अन्यथा लंबे समय से बने हुए रिश्तों में दरार आ सकती है। इस सप्ताह खर्च की अधि. कता के चलते आपका बजट थोड़ा गड़बड़ा सकता है। सप्ताह के उत्तरार्ध में करियर–कारोबार के सिलसिले में लंबी दूरी की यात्रा पर निकलना पड़ सकता है।

कुंभ

जीवन में आने वाली छोटी–मोटी दिक्कतों को यदि नजरअंदाज कर दें तो कुंभ राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह शुभ साबित होगा। इस सप्ताह आपको आपकी मेहनत का पूरा फल प्राप्त होगा। करियर और कारोबार की दिशा में किए गये प्रयास सफल होंगे और आपके पद एवं प्रतिष्ठा में बढ़ोत्तरी होगी।

राजनीति से जुड़े लोगों के लिए यह सप्ताह गुडलक लिए हुए है। इस सप्ताह आपकी झोली में कोई बड़ा पद गिर सकता है। सत्तापक्ष से जुड़े लोगों के साथ आपका मेल–मिलाप बढ़ेगा। आपके मान–सम्मान में बढ़ोत्तरी होगी। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। आप अपनी सूझबूझ से अपने विरोधियों पर काबू पाने में कामयाब होंगे। कुंभ राशि के जो जातक तकनीक के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं, उनके लिए यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ साबित होगा। इसी प्रकार इलेक्ट्रानिक का कारोबार करने वालों को बड़े लाभ की प्राप्ति होगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में किसी वरिष्ठ एवं अनुभवी व्यक्ति से कार्य विशेष के लिए मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

मीन

मीन राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। सप्ताह के पूर्वार्ध का समय जहां अनुकूल तो वहीं उत्तरार्ध थोड़ा प्रतिकूल रहने वाला है। ऐसे में मीन राशि के जातकों को जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों सप्ताह की शुरुआत में ही निबटाने का प्रयास करना चाहिए। यदि आप बेरोजगार हैं तो आपको इसी दौरान पूरे मनोयोग से रोजी–रोजगार के लिए प्रयास करना चाहिए। इस दौरान किसी व्यक्ति विशेष की मदद से भूमि–भवन से जुड़े विवाद का समाधान निकल सकता है। मीन राशि के जातकों को इस सप्ताह इस बात का पूरा ख्याल रखना होगा कि उनकी बात से ही बात बनेगी और बात से ही बात बिगड़ भी सकती है।

ऐसे में अपना काम निकलवाने के लिए लोगों की प्रशंसा करने में जरा भी कंजूसी न करें और सभी के साथ अच्छा तालमेल बनाए रखें। सप्ताह के पूर्वार्ध में आपके घर में कोई धार्मिक अथवा मांग. लिक कार्यक्रम संपन्न हो सकता है। इस दौरान घरेलू महिलाओं का अधिकांश समय पूजा–पाठ में बीतेगा।

साप्ताहिक सबका जम्मू कश्मीर

कश्मीर स्थित एसआईए ने नशीले पदार्थों से जुड़े आतंकी नेटवर्क पर शिकंजा कसते हुए कुपवाड़ा में जम्मू-कश्मीर स्थित लश्कर-ए-तैबा के एक आतंकवादी की संपत्ति जब्त की

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : नशीले पदार्थों से जुड़े आतंकी गति. विधियों के खिलाफ एक महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए, राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) कश्मीर ने बुधवार को कुपवाड़ा जिले में प्रतिबंधित संगठन लश्कर–ए–तैबा (एलईटी) के पाकिस्तान अधिकृत जम्मू और कश्मीर (पीओजेके) में सक्रिय एक कार्यकर्ता की अचल संपत्ति जब्त कर ली।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, यह कार्रवाई पुलिस स्टेशन एएनटीएफ की एफआईआर संख्या 03/2023 के संबंध में की गई, जिसे शुरू में एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) द्वारा दर्ज किया गया था और बाद में जांच में बड़े पैमाने पर आतंकी वित्तपोषण और सीमा पार नशीले पदार्थों से जुड़े आतंकी संबंधों का खुलासा होने के बाद एसआईए कश्मीर को सौंप दिया गया था।

बयान में कहा गया है कि जांच में यह स्थापित हुआ कि आरोपी जमीर अहमद लोन, अहमद गुल लोन का पुत्र, कुपवाड़ा के मंडियान केरन का निवासी है और वर्तमान में पीओजेके से सक्रिय है, वह जम्मू और कश्मीर में शांति और सुरक्षा को भंग करने के उद्देश्य से नशीले पदार्थों की तस्करी और आतंकी गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल था। अधिका. रियों ने बताया कि आरोपी को पहले ही सक्षम न्यायालय द्वारा गिरफ्तारी से बचने और सीमा पार से राष्ट्रविरोधी गतिविधियों को जारी रखने के लिए भगोड़ा घोषित किया जा चुका था।

एसआईए कश्मीर द्वारा दायर विस्तृत आवेदन के बाद, सक्षम न्यायालय ने रिकॉर्ड पर मौजूद साक्ष्यों की जांच करने के बाद आरोपी की संपत्ति को कुर्क करने का आदेश दिया।

न्यायालय के निर्देशों पर कार्रवाई करते हुए, एसआईए कश्मीर ने कुपवाड़ा के मंडियान केरन में खसरा संख्या 113 के अंतर्गत एक कनाल और 14. 37 मरला अचल संपत्ति को कुर्क किया। कुर्की की प्रक्रिया एसआईए की एक विशेष टीम द्वारा कार्यकारी मजिस्ट्रेट और स्थानीय राजस्व अधिकारियों की उपस्थिति में कानूनी प्रक्रियाओं के अनुसार संपन्न की गई। बयान में आगे कहा गया है कि एसआईए कश्मीर ने नशीले पदार्थों की तस्करी, आतंकी वित्तपोषण और सीमा पार आतंकवादी संबंधों से संबंधित पर्याप्त सबूतों का पता लगाने के बाद सक्षम न्यायालय के समक्ष विस्तृत आरोपपत्र दायर किया था। अधिकारियों ने कहा कि यह नवीनतम कार्रवाई आतंकवाद का समर्थन करने वाले संपूर्ण तंत्र, विशेष रूप से आतंकी वित्तपोषण और सीमा पार से नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल नेटवर्क को नष्ट करने के लिए एजेंसी के निरंतर प्रयासों को दर्शाती है।

एसआईए कश्मीर ने राष्ट्र की संप्रभुता और सुरक्षा के लिए हानिकारक गतिविधियों में लिप्त व्यक्तियों और समूहों की पहचान करने और उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। एजेंसी ने यह भी कहा कि जम्मू और कश्मीर में मादक पदार्थों के दुरुपयोग से निपटने और मादक पदार्थों के व्यापार और आतंकवाद के बीच गठजोड़ को तोड़ने के लिए श्नशा मुक्त भारत अभियानश के तहत प्रयास तेज किए जा रहे हैं।

एसआईए कश्मीर ने अन्य कानून प्रवर्तन और नागरिक एजेंसियों के समन्वय से कहा कि वह न केवल नार्को–आतंकवाद के मामलों की जांच करने के लिए प्रतिबद्ध है, बल्कि नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए निवारक और जागरूकता पहलों का समर्थन करने के लिए भी प्रतिबद्ध है।

चन्नी हिम्मत में प्रवर्तन अभियान चलाया गया; जेपीडीसीएल ने बिजली चोरी के खिलाफ सख्त चेतावनी जारी की

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जम्मू विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (जेपीडीसीएल) ने आज जम्मू के चन्नी हिम्मत स्थित सेक्टर–2 में व्यापक निरीक्षण और प्रवर्तन अभियान चलाया। यह क्षेत्र जेपीडीसीएल के विद्युत प्रभाग–ष्प्ष् के गांधी नगर स्थित ग्रीन बेल्ट उप–मंडल के अंतर्गत आता है।

निरीक्षण जम्मू के संचालन एवं रखरखाव सर्कल के अधीक्षण अभियंता द्वारा गठित एक विशेष प्रवर्तन दल द्वारा किया गया। सहायक अभियंता विशाल कुमार लांगेह के नेतृत्व में दल ने 20 बिजली उपभोक्ताओं का निरीक्षण किया, जिनमें 2 घरेलू और 15 वाणिज्यिक प्रतिष्ठान शामिल थे। निरीक्षण के दौरान, 3 प्रतिष्ठान बिजली का अवैध उपयोग करते पाए गए और उनकी आपूर्ति मौके पर ही काट दी गई। गौरतलब है कि तीनों ही डिफॉल्टर चन्नी हिम्मत स्थित सेक्टर–2 की मुख्य सड़क पर स्थित प्रमुख वाणिज्यिक प्रतिष्ठान थे। ये उल्लंघन वैध बिजली बिलों के भुगतान से बचने और सरकारी राजस्व को जानबूझकर नुकसान पहुंचाने के गंभीर प्रयास को दर्शाते हैं।

आगे के निरीक्षण में पता चला कि 10 वाणिज्यिक उपभोक्ता अपने स्वीकृत भार से अधिक बिजली का उपयोग कर रहे थे, जिसके परिणामस्वरूप राजस्व का भारी नुकसान हुआ। उन पर तत्काल दंडात्मक कार्रवाई की गई और उनके स्वीकृत भार को वास्तविक खपत के अनुसार संशोधित किया गया।

प्रवर्तन दल ने क्षतिग्रस्त मीटरों के 2 मामले और मीटर बाईपास का 1 मामला भी पकड़ा है, जो जानबूझकर की गई छेड़छाड़ का संकेत देता है। उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ लागू नियमों और विनियमों के तहत आवश्यक दंडात्मक कार्यवाही शुरू कर दी गई है।

जेपीडीसीएल ने बिजली चोरी, अनाधिकृत उपयोग और मीटर से छेड़छाड़ के खिलाफ अपनी शून्य–सहिष्णुता नीति को दोहराया है। निगम ने जम्मू डिविजन में प्रवर्तन अभियान तेज कर दिए हैं और इस तरह के निरीक्षण निरंतर जारी रहेंगे।

Helpline

पुलिस स्टेशन	
बाग-ए-बहु	2459777
बख्शी नगर	2580102
बस स्टैंड	2575151
शहर	2543688
गांधी नगर	2430528
गंग्याल	2482019
नौबाद	2571332
पक्का डांगा	2548610
रेलवे स्टेशन	2472870
सैनिक कॉलोनी	2462212
सतवारी	2430364
चन्नी हिम्मत	2465164
ट्रांसपोर्ट नगर	2475444
त्रिकुटा नगर	2475133
गांधी नगर	2459660
एसएसपी शहर	2561578
एसपी शहर उत्तर	2547038
एसपी दक्षिण	2433778
सार्वजनिक उपयोगिता सेवाएँ	
इंडियन एयर लाइन्स	
शहर कार्यालय	2542735
एयर पोर्ट	2430449
जेट एयर वेज	2453999
सिटी ऑफिस	2573399
रेलवे	
रेलवे पूछताछ	131, 132, 2476407
बुकिंग	2470318
आरक्षण	2470315

पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग स्टेशन	
बख्शी नगर	2543557
गांधी नगर	2430786
कंपनी बाग	2542582
नया प्लॉट	2573429
पंजतीर्थी	2547537
दूरसंचार विभाग	
डायरेक्टरी पूछताछ	197
फॉल्ट रिपेयर	198
ट्रंक बुकिंग	180
बिलिंग शिकायत	2543896
जम्मू नगर पालिका	
जं. लाइन्स	2578503
प्रशासन अधिकारी	2542192
स्वास्थ्य अधिकारी	2547440
डाक सेवाएँ	
मुख्य डाकघर शहर	2543606
गाँधी नगर	2435863
अग्निशमन सेवाएँ	
नियंत्रण कक्ष	101,132, 2476407
शहर	2544263
गाँधी नगर	2457705
नहर	2554064
गंग्याल	2480026
रसोई गैस डीलर	
चिनाब गैस	2547633
गुलमौर गैस	2430835
जैकफेड	2548297
एचपी गैस	2578456
शिवांगी गैस	2577020
तवी गैस	2548455
पावर हाउस	
गाँधी नगर	2430180
नहर रोड	2554147
जानीपुर	2533828
नानक नगर	2430776

परेड	2542289
सतवारी कैंट	2452813
अस्पताल	
जीएमसी अस्पताल	2584290
एस.एम.जी.एस. अस्पताल	2547635
सी.डी. अस्पताल	2577064
डेंटल अस्पताल	2544670
गांधी नगर अस्पताल	2430041
सरवाल अस्पताल	2579402
जी.बी. पंत कैंट अस्पताल	2433500
आयुर्वेदिक कॉलेज	2543661
सी.आर.पी. अस्पताल	2591105
आचार्य श्री चंदर	2662536
मानसिक अस्पताल	2577444
स्वामी विवेकानंद	2547418
ब्लड बैंक	2547637
एम्बुलेंस	2584225, 2575364
एम्बुलेंस (रेड क्रॉस)	2543739
नर्सिंग होम	
मददन अस्पताल	2456727
मेडिकेयर	2435070
त्रिवेणी नर्सिंग होम	2452664
सुविधा नर्सिंग होम	2555965
अल. फिरदौस नर्सिंग होम	2545050
आस्था नर्सिंग होम	2576707
बी एन चौरिटेबल ट्रस्ट	2505310
चोपड़ा नर्सिंग होम	2573580
हरबंस सिंह मेम हॉस्पिटल	2541952
जीवन ज्योति	2576985
युद्धवीर नर्सिंग होम	2547821
मीडियाएड नर्सिंग होम	2466744
सीता नर्सिंग होम	2435007
विभूति नर्सिंग होम	2547969
रामेश्वर नर्सिंग होम	2580601
बी एन चेरिटेबल	2555631
महर्षि दयानंद	2545225

रू 98 लाख के 45 विकास कार्यो का उद्घाटन, ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को मिलेगी मजबूती

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ : जसरोता विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक राजीव जसरोटिया ने आज पंचायत किशनपुर कांडी और चन्न अरोरियां में लगभग 98 लाख रुपये की लागत से तैयार होने वाले 45 विकास कार्यों का उद्घाटन किया। इन कार्यों का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और लोगों को बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध करवाना है।

उद्घाटन कार्यक्रमों में स्थानीय लोग, पंचायत प्रतिनिधि, भाजपा नेता तथा संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। इन विकास कार्यों में गलियों और नालियों का निर्माण एवं सुधार, सड़कों की मरम्मत, सार्वजनिक सुविधाओं का विकास, पेयजल व्यवस्था को बेहतर बनाना सहित कई अन्य परियोजनाएं शामिल हैं।

इस अवसर पर विधायक राजीव जसरोतिया ने कहा कि विकास कार्य राजनीति से ऊपर होने चाहिए और हर जनप्रतिनिधि की जिम्मेदारी है कि वह जनता के हित में ईमानदारी से कार्य करे। उन्होंने कहा कि ग्रामीण और सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क, संपर्क व्यवस्था और नागरिक सुविधाओं को प्राथमिकता देना बेहद जरूरी है ताकि लोगों को दैनिक जीवन में कठिनाइयों का सामना न करना पड़े।

उन्होंने कहा कि गांवों में लंबे समय से बुनियादी सुविधाओं की कमी रही है और लोग अब जमीन पर दिखाई देने वाले विकास तथा समय पर परियोजनाओं के पूरा होने की उम्मीद रखते हैं। जसरोतिया ने कहा कि जनता के साथ लगातार संवाद और क्षेत्रीय समस्याओं का मौके पर जाकर आकलन करना जरूरी है, ताकि विकास कार्य पारदर्शी और प्रभावी ढंग से पूरे हो सकें।

भाजपा विधायक ने कहा कि बेहतर सड़कें, मजबूत जल निकासी व्यवस्था, स्वच्छता और सार्वजनिक सुविधाओं का विस्तार ग्रामीण जीवन स्तर को सुधारने में अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने लोगों को भरोसा दिलाया कि जसरोता क्षेत्र के विकास और जनता की समस्याओं को उठाने के लिए वे लगातार प्रयासरत रहेंगे।

कार्यक्रम के दौरान विधायक ने स्थानीय लोगों की सड़क, पेयजल, बिजली और अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं भी सुनीं और आश्वासन दिया कि सभी जायज मांगों को संबंधित विभागों के समक्ष उठाकर जल्द समाधान कराया जाएगा।

उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर पर विकास कार्य गांवों के परिवर्तन और स्थानीय समुदायों को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जसरोतिया ने दावा किया कि जसरोता विधानसभा क्षेत्र में कई विकास योजनाएं शुरू की गई हैं, जिनसे सड़क, संपर्क और सार्वजनिक सेवाओं में स्पष्ट सुधार देखने को मिला है।

स्थानीय लोगों ने विभिन्न विकास परियोजनाओं के उद्घाटन पर खुशी जाहिर करते हुए उम्मीद जताई कि इन कार्यों से गांवों में बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी और लोगों को राहत प्राप्त होगी। कार्यक्रम में भाजपा पदाधिकारी, पंचायत सदस्य और कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

विधायक डॉ. भारत भूषण ने लगाया जनता दरबार, गांव-गांव जाकर सुनी लोगों की समस्याएं

सबका जम्मू कश्मीर

नगरी/कठुआ विधायक डॉ. भारत भूषण ने अपने विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों का दौरा कर लोगों की समस्याएं सुनीं। सोमवार से शनिवार तक अलग-अलग स्थानों पर जनता दरबार लगाकर लोगों से सीधे संवाद किया और उनकी मांगों को सुना।

इस दौरान विधायक ने सैदपुर, लखनोट, पंडोरी सहित कई गांवों का दौरा किया। सैदपुर गांव के लोगों ने पंजाब और जम्मू-कश्मीर को जोड़ने वाले रास्ते पर पुल बनाने की मांग उठाई, ताकि बरसात के समय लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े। वहीं स्थानीय युवाओं ने गांव में खेल मैदान बनाने की मांग रखी।

ग्रामीणों ने गांव के बीच चल रहे विकास कार्य के लिए अतिरिक्त फंड जारी करने की भी मांग की, ताकि काम जल्द पूरा हो सके। इसके अलावा गांव में 10 केवी ट्रांसफार्मर लगाने की मांग भी विधायक के समक्ष रखी गई।

मीडिया से बातचीत करते हुए विधायक डॉ. भारत भूषण ने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य लोगों तक पहुंचकर उनकी समस्याओं का समाधान करवाना है। इसी सोच के तहत जनता दरबार आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि गांव-गांव जाकर लोगों की दिक्कतें सुनी जा सकें। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की समस्याओं को नोट कर लिया गया है और जल्द समाधान के प्रयास किए जाएंगे। पत्रकारों द्वारा नगरी क्षेत्र में खेल मैदान और वाटर बॉडी के पास बन रही पानी की टंकी को लेकर सवाल पूछे जाने पर विधायक ने कहा कि खेल मैदान के विकास के लिए संबंधित खेल संगठन को पत्र लिखा गया है। वहीं पानी की टंकी के मामले में भी विभाग से बात कर मौके का निरीक्षण किया जाएगा, ताकि बरसात के दौरान किसी प्रकार का नुकसान न हो। इस अवसर पर मंडल प्रधान रवि अंडोत्रा, पूर्व मंडल प्रधान अर्पण वर्मा, भाजपा कार्यकर्ता प्रवेश शर्मा, नार सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

24 घंटे में अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझी, आरोपी गिरफ्तार

प्रेम संबंध को लेकर हुआ विवाद, क्रिकेट बैट से हमला कर युवक की हत्या

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ : जम्मू और कश्मीर पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए 24 घंटे के भीतर एक ब्लाइंड मर्डर केस को सुलझा लिया है। पुलिस ने हत्या के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और वारदात में इस्तेमाल क्रिकेट बैट व मृतक का आईफोन भी बरामद कर लिया है। यह कार्रवाई एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा के निर्देशन में की गई।

पुलिस के अनुसार 6 मई को थाना कठुआ को सूचना मिली थी कि वार्ड नंबर 10 कठुआ निवासी नकुल सिंह (18) और उसका छोटा भाई निखिल सिंह (16) अपने घर में गंभीर हालत में पड़े हैं। दोनों को तुरंत जीएमसी कठुआ पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने नकुल सिंह को मृत घोषित कर दिया, जबकि निखिल सिंह की हालत गंभीर होने पर उसे एम्स विजयपुर जम्मू रेफर किया गया। मामले में थाना कठुआ में एफआईआर नंबर 230/2026 दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस और एफएसएल टीम ने मौके से सबूत जुटाए। जांच के दौरान पता चला कि मृतक का आईफोन गायब है। तकनीकी जांच और पूछताछ के बाद पुलिस ने वार्ड नंबर 09 कठुआ निवासी पार्थ वर्मा उर्फ सुमित को गिरफ्तार किया। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि प्रेम संबंध को लेकर उसका नकुल सिंह के साथ झगड़ा हुआ था। गुस्से में उसने कमरे में पड़ा क्रिकेट बैट उठाकर नकुल सिंह के सिर पर हमला कर दिया।

इसी दौरान नकुल का छोटा भाई निखिल घर पहुंच गया। पकड़े जाने के डर से आरोपी ने उस पर भी बैट से हमला किया और मौके से फरार हो गया। आरोपी मृतक का आईफोन भी अपने साथ ले गया था, जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया है। शाम को जब दोनों की मां ज्योति देवी घर पहुंचीं तो उन्होंने अपने बेटों को खून से लथपथ हालत में देखा। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

जनगणना 2027 : डीसी कठुआ ने लोगों से की सहयोग की अपील, 17 मई से शुरू होगी ऑनलाइन सेल्फ-एन्यूमरेशन प्रक्रिया

सबका जम्मू कश्मीर

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ, 8 मईरू उपायुक्त कठुआ त्ंमी ैंतदं ने जनगणना 2027 को लेकर मीडिया ब्रीफिंग आयोजित की। इस दौरान उन्होंने लोगों से जनगणना प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी करने की अपील की, ताकि सही और सुचारु आंकड़ा संग्रह सुनिश्चित किया जा सके।

डीसी ने बताया कि नागरिक 17 मई से 31 मई 2026 तक जनगणना पोर्टल पर ऑनलाइन सेल्फ-एन्यूमरेशन कर सकते हैं। इसके बाद 1 जून 2026 से जनगणना टीमें घर-घर जाकर जानकारी का सत्यापन करेंगी।

उन्होंने लोगों से सही जानकारी देने और किसी भी प्रकार की ठगी से सावधान रहने की अपील की। डीसी ने स्पष्ट किया कि जनगणना के दौरान कोई भी अधिकारी ओटीपी नहीं मांगेगा।

सैदपुर में देसी शराब के धंधे से परेशान युवा, विधायक डॉ. भारत भूषण से की कार्रवाई की मांग

सबका जम्मू कश्मीर

नगरी, कठुआरू जम्मू-कश्मीर में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के बीच तहसील नगरी के सैदपुर क्षेत्र के युवाओं ने स्थानीय विधायक डॉ. भारत भूषण से मिलकर क्षेत्र में बढ़ रहे देसी शराब के कारोबार पर चिंता जताई। युवाओं ने मांग की कि पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए जो गांव में नशे का कारोबार चला रहे हैं।

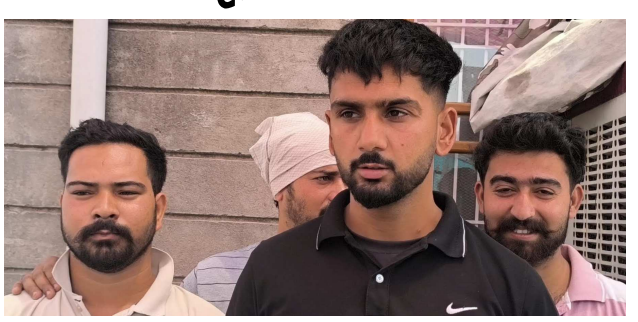

युवाओं ने बताया कि सैदपुर से लगते कांद्याल क्षेत्र में पिछले काफी समय से एक व्यक्ति द्वारा देसी लहान और शराब बेचने का काम किया जा रहा है। पंजाब सीमा नजदीक होने के कारण पंजाब से भी लोग यहां शराब खरीदने आते हैं, जिससे पूरे क्षेत्र का माहौल खराब हो रहा है।

स्थानीय युवाओं के अनुसार, इस अवैध कारोबार के कारण पहले भी दो-तीन लोगों की मौत हो चुकी है। उन्होंने मोहिता शर्मा से मांग करते हुए कहा कि संबंधित व्यक्ति को जल्द गिरफ्तार कर उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। युवाओं ने कहा कि सैदपुर गांव पहले नशे से दूर माना जाता था, लेकिन अब धीरे-धीरे नशे की चपेट में आता दिखाई दे रहा है। उन्होंने गांव के युवाओं से भी नशे से दूर रहने और क्षेत्र को नशा मुक्त बनाए रखने की अपील की। इस दौरान कई स्थानीय युवा मौजूद रहे।

जम्मू-कश्मीर में 3 आईएएस अधिकारियों की नई पोस्टिंग हुई

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जम्मू-कश्मीर सरकार ने प्रशासनिक कार्यों को अधिक प्रभावी और सुचारु बनाने के उद्देश्य से मंगलवार को एक अहम फैसला लेते हुए तीन आईएएस अधिकारियों के तबादलों और नई तैनाती के आदेश जारी किए। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिए गए हैं। सरकार का मानना है कि इस कदम से विभिन्न विभागों और जिलों में प्रशासनिक कामकाज को नई गति मिलेगी और जनसेवाओं के क्रियान्वयन में सुधार आएगा। सरकारी आदेश के अनुसार, प्रांजल जे हजारिका, जो अब तक सामान्य प्रशासन विभाग में तैनाती की प्रतीक्षा कर रहे थे, को श्रम एवं रोजगार विभाग में अतिरिक्त सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है। उनके पास प्रशासनिक अनुभव होने के कारण उम्मीद जताई जा रही है कि वे विभाग के कार्यों को बेहतर ढंग से आगे बढ़ाएंगे।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

दयालाचक्क में नशा मुक्त अभियान के तहत विशाल जागरूकता रैली आयोजित

युवाओं को नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवन अपनाने का दिया संदेश

सबका जम्मू कश्मीर

हीरानगर/दयालाचक। दयालाचक्क में आज नशा मुक्त अभियान के तहत एक व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन पूर्व सरपंच एवं निजी स्कूल के प्रधानाचार्य सरदारी लाल द्वारा किया गया। यह अभियान एसडीएम फुलैल सिंह के मार्गदर्शन और निगरानी में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के अंतर्गत एक विशाल पदयात्रा निकाली गई, जो दयालाचक्क से शुरू होकर नगर के विभिन्न क्षेत्रों से गुजरते हुए रेलवे ब्रिज पर जाकर समाप्त हुई। रैली में छात्रों, पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों, अधिकारियों, धार्मिक नेताओं, सामाजिक संगठनों और स्थानीय लोगों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया।

प्रतिभागियों ने हाथों में नशा विरोधी संदेशों वाली तख्तियां और बैनर लेकर लोगों को नशे से दूर रहने का संदेश दिया। रैली के दौरान युवाओं को अनुशासित और स्वस्थ जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

सभा को संबोधित करते हुए एसडीएम फुलैल सिंह ने कहा कि नशा समाज के लिए गंभीर खतरा बनता जा रहा है, जिससे खासकर युवा वर्ग प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त अभियान को सफल बनाने के लिए प्रशासन, शिक्षण संस्थानों, सामाजिक संगठनों और आम जनता के सहयोग की आवश्यकता है।

उन्होंने अभिभावकों और शिक्षकों से युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित करने की अपील की। कार्यक्रम में तहसीलदार हीरानगर अनूप कुमार, सीडीपीओ प्रियालक्ष्मी, बीडीओ धीरज भीम बहादुर सहित कई विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर धार्मिक नेताओं मोहन गिरी महाराज, संजय जी महाराज और लवकुश महाराज ने भी लोगों को संबोधित किया। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने और नैतिक मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने नशा मुक्त और स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए सामूहिक शपथ ली।

वेद ज्ञान से ही मिलेगा सुख और शांति : स्वामी राम स्वरूप

सबका जम्मू कश्मीर

वेद मन्दिर में चल रहे 78 दिवसीय चारों वेदों के यज्ञानुष्ठान के 27वें दिन स्वामी राम स्वरूप जी, योगाचार्य ने श्रद्धालुओं को वेदों का महत्व समझाया। उन्होंने ऋग्वेद मंत्र 1/22/3 का भाव बताते हुए कहा कि बिना ज्ञान दिए किसी को भी ज्ञान प्राप्त नहीं हो सकता। इसलिए एक ज्ञानी गुरु और दूसरा जिज्ञासु शिष्य होना आवश्यक है।

स्वामी जी ने कहा कि सृष्टि के आरंभ में जब कोई गुरु या विद्वान नहीं था, तब परमेश्वर ने स्वयं अग्नि, वायु, आदित्य और अंगिरा ऋषियों के हृदय में चारों वेदों का ज्ञान प्रकट किया। इसके बाद ब्रह्मा जी ने इन ऋषियों से वेद ज्ञान प्राप्त किया और गुरु–शिष्य परम्परा की शुरुआत हुई, जो आज तक चली आ रही है।

उन्होंने कहा कि मनुष्य को विद्वानों से निरंतर वेद विद्या का उपदेश सुनना चाहिए और वेदों के ज्ञाता तपस्वियों से शिक्षा लेकर अपने जीवन को सुखी बनाना चाहिए। स्वामी जी ने कहा कि वर्तमान समय में लोगों ने वैदिक गुरु–शिष्य परम्परा छोड़कर मनमाने ढंग से भक्ति करनी शुरू कर दी है, जिससे समाज में अशांति बढ़ रही है।

उन्होंने कहा कि आज विश्व में युद्ध, हिंसा, चोरी, डकैती, नारी अपमान, भुखमरी, तूफान और भूकम्प जैसी समस्याएँ इसी कारण बढ़ रही हैं। स्वामी जी ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि सुख और शांति के लिए फिर से वेद ज्ञान और गुरु–शिष्य परम्परा को अपनाना जरूरी है, तभी समाज और विश्व का कल्याण संभव है।

साहित्य कलश परिवार पटियाला की मासिक गोष्ठी में साहित्यकारों ने बिखेरे रचनाओं के रंग

राम सिंह

पटियाला। साहित्य कलश परिवार पटियाला द्वारा आयोजित मासिक गोष्ठी में साहित्यिक रंग देखने को मिला। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के तौर पर दिनेश सूद, पवन गोयल, मंजू मैम और राजपाल कौर मस्त जी ने शिरकत की। मंच के संस्थापक शायर सागर सूद संजय ने मंच साझा करते हुए सभी का स्वागत किया। इस कार्यक्रम में 30 साहित्यकारों ने अपनी बेहतरीन रचनाओं से माँ सरस्वती के चरणों में हाज़िरी लगवाई। कार्यक्रम के अंत में साहित्य कलश परिवार के सदस्यों का सामूहिक जन्मदिन केक काटकर मनाया गया। इस दौरान एक विशेष घोषणा भी की गई। संस्थापक सागर सूद ने बताया कि आने वाले दिनों में साहित्य कलश पब्लिकेशन द्वारा एक निःशुल्क संकलन प्रकाशित किया जाएगा, जो विशेष रूप से शपिता जीश को समर्पित होगा। इस संकलन का भव्य कार्यक्रम में विमोचन किया जाएगा। इस गोष्ठी को यादगार बनाने वालों में वरिंदर कौर, खुशप्रीत कौर, पुनीत गोयल, जगदीश जग्गी, विजय कुमार, गुरप्रीत ढिल्लों, अनवर हुसैन, कृष्ण लाल धीमान, डॉ. जयदीप, तेजिंदर अंजाना, डॉ. वंदना, अमरप्रीत कौर, अलका अरोड़ा, संजय दर्दी, मधु मधुमन, मोहिंदर जग्गी, परविंदर शोख, हरी दत्त हबीब, नरगिस तन्हा, राजेश कोटिया, परवीन वर्मा, बलजिंदर सरोए और सागर सूद संजय आदि कवि शामिल रहे।

जम्मू-कश्मीर बैंक ने वित्त वर्ष 2026 में रिकॉर्ड 2,363 करोड़ रूपये का मुनाफा दर्ज किया

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : जम्मू और कश्मीर बैंक ने मंगलवार को वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए 2,363 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड लाभ दर्ज किया।

बैंक ने मंगलवार को यहां वार्षिक परिणाम घोषित करते हुए कहा कि यह लगातार चौथा वित्तीय वर्ष है जब जम्मू और कश्मीर के इस प्रमुख वित्तीय संस्थान ने रिकॉर्ड लाभ अर्जित किया है।

बैंक के प्रवक्ता ने बताया, "वित्त वर्ष 2024–25 के लिए दर्ज किए गए 2,082.46 करोड़ रुपये के वार्षिक लाभ की तुलना में बैंक ने अपने वार्षिक लाभ में 13 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की है। यह वृद्धि वित्तीय वर्ष की पहली छमाही में जम्मू–कश्मीर ग्रामीण बैंक में किए गए निवेश पर 179 करोड़ रुपये के एकमुश्त हानि प्रावधान के बावजूद हुई है।" बैंक ने

रिकॉर्ड तिमाही प्रदर्शन के साथ वित्तीय वर्ष का शानदार अंत किया और पिछले वर्ष की इसी अवधि के 584.54 करोड़ रुपये के मुकाबले लगभग 800 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया।

बैंक ने मंगलवार को अपने वार्षिक और चौथी तिमाही के नतीजे घोषित किए।

निदेशक मंडल ने बैंक के कॉर्पोरेट मुख्यालय में आयोजित बैठक में इन आंकड़ों को मंजूरी दी थी।

वित्तीय वर्ष के लिए बैंक का शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) 3.60 प्रतिशत रहा। परिसंपत्तियों पर प्रतिफल (आरओए) में पिछले वर्ष के 1.44 प्रतिशत के मुकाबले इस तिमाही में 34 बीपीएस की वृद्धि दर्ज की गई और यह 1.78 प्रतिशत रहा। वर्ष के लिए आरओए 1.37 प्रतिशत दर्ज किया गया। बैंक का लागत–आय अनुपात भी लगातार चौथे वर्ष सुधरा है और वर्ष के लिए 56.18 प्रतिशत दर्ज किया गया है। वित्त वर्ष 2025–26 के लिए बैंक का इक्विटी पर प्रतिफल (आरओई) 16.85: रहा।

PUBLIC NOTICE

I, Sulkhan Kumar S/o Jodh Raj, resident of Village Barmori, Tehsil Nagri Parole, District Kathua, UT of Jammu & Kashmir, do hereby inform the general public that my father's name has been wrongly mentioned in my 10th Class Marksheet issued by The Jammu & Kashmir Board of School Education Secondary School Examination Class 10th (Session 2025 , Roll No. 165016103) & Registration No. 236501-5001890012

The incorrect name recorded in the marksheet is "Sulakhan Kumar", whereas the correct name is "Sulkhan Kumar".

That I have sworn an affidavit regarding the correction of the name. Hence, I request all concerned authorities to take note of the correct name for all official purposes.

If any person has any objection regarding this correction, they may submit the same within 7 days from the date of publication of this notice.

Sulkhan Kumar
Deponent
R/o Barmori, Tehsil Nagri Parole
District Kathua, UT of J&K
Date: 09-05-2026

मांगे तेज़ : दूरदराज़ पंचायतों के हजारों लोगों की सुविधा के लिए छत्राल में बैंक शाखा खोलने की उठी मांग

राजेश कुमार

मेंढर/पूंछ। सामाजिक कार्यकर्ता तनवीर इकबाल कुरैशी ने संबंधित प्रशासन और बैंकिंग संस्थाओं से छत्राल में एक पूर्ण बैंक शाखा स्थापित करने की जोरदार मांग की है। उन्होंने कहा कि छत्राल कई दूरदराज़ पंचायतों का केंद्रीय क्षेत्र है, लेकिन यहां आज तक बैंकिंग सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण हजारों लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

इस मुद्दे को उठाते हुए तनवीर इकबाल कुरैशी ने कहा कि छत्राल एक महत्वपूर्ण स्थान है, जो नारोल, चौक बोनाला, बोनाला, तकिया कलाबन, कलाबन फैजाबाद, कलाबन, पठानातीर, जुगल, भाटीदार, छुंगन चरारून, छुंगन चौधरियां और सलवाह जैसी पंचायतों के लोगों के लिए मुख्य केंद्र का काम करता है। इन क्षेत्रों के लोगों को मामूली बैंकिंग कार्यों के लिए भी लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, जिससे खासकर बुजुर्गों, महिलाओं, छात्रों और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

उन्होंने बताया कि इन पंचायतों की कुल आबादी लगभग 30 से 40 हजार के बीच है, जो इस क्षेत्र में बैंक शाखा खोलने की आवश्यकता को पूरी तरह उचित ठहराती है। उनके अनुसार स्थानीय बैंक सुविधा के अभाव में लोगों की रोजमर्रा की आर्थिक गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं और सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में भी दिक्कतें आ रही हैं।

तनवीर इकबाल कुरैशी ने कहा कि वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन और दिव्यांग पेंशन प्राप्त करने वाले लोगों को अपनी राशि निकालने के लिए सखी मैदान और अन्य दूरस्थ स्थानों तक जाना पड़ता है। उन्होंने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि खराब मौसम और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण कई बुजुर्ग नियमित रूप से इतनी दूर यात्रा करने में असमर्थ रहते हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि छत्राल में पहले से ही कई महत्वपूर्ण सरकारी संस्थान मौजूद हैं, जिनमें हायर सेकेंडरी स्कूल छत्राल, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र छत्राल, ग्रिड स्टेशन छत्राल, नायबात छत्राल, गवर्नमेंट मिडिल स्कूल छत्राल और मिडिल स्कूल छत्राल शामिल हैं। इसके बावजूद यह क्षेत्र आज भी बैंकिंग सुविधा से वंचित है।

सामाजिक कार्यकर्ता ने छात्रों की समस्याओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि सरक. ारी स्कूलों और शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाले छात्रों को छात्रवृत्ति, यूनिफॉर्म सहायता और अन्य सरकारी लाभों के लिए बैंक खाते खुलवाने में भारी परेशानी होती है। बैंक शाखा न होने के कारण अभिभावकों को बार-बार दूरदराज़ इलाकों में जाकर अतिरिक्त समय और पैसा खर्च करना पड़ता है।

मुगल रोड पर कार दुर्घटना : पुलिस ने बताया कि दो शव बरामद किए गए हैं

सबका जम्मू कश्मीर

पूंछ : पूंछ जिला पुलिस ने मंगलवार को मुगल रोड पर लापता हुए एक वाहन की तलाश में चलाए गए व्यापक खोज और बचाव अभियान के दौरान छत्तापानी क्षेत्र के पास एक नाले से दो शव बरामद किए। इस घटना ने इलाके में चिंता का माहौल पैदा कर दिया है, जबकि शेष लापता लोगों की तलाश के लिए अभियान लगातार जारी है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, सोमवार को मुगल रोड पर एक वाहन में सवार चार लोग अचानक लापता हो गए थे। परिजनों और स्थानीय लोगों द्वारा सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत कार्रवाई शुरू की। क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए खोज अभियान को चुनौतीपूर्ण बताया जा रहा है, क्योंकि मुगल रोड के आसपास कई स्थानों पर गहरी खाइयां, तेज बहाव वाले नाले और घने जंगल मौजूद हैं।

सूचना मिलने के बाद पूंछ जिला पुलिस ने अन्य एजेंसियों के सहयोग से बड़े पैमाने पर खोज और बचाव अभियान शुरू किया। इस अभियान में पुलिस के अलावा स्थानीय स्वयंसेवकों और राहत दलों ने भी हिस्सा लिया। टीमों ने विभिन्न संभावित स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया और लापता वाहन की तलाश में हर संभव प्रयास किए।

मंगलवार को अभियान के दौरान छत्तापानी के पास एक नाले में संदिग्ध स्थिति में एक वाहन दिखाई दिया। इसके बाद अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और सावधानीपूर्वक वाहन को बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू की। काफी मशक्कत के बाद जब वाहन को नाले से बाहर निकाला गया, तो उसके अंदर से दो शव बरामद हुए। इन शवों की पहचान करने की प्रक्रिया जारी है और पुलिस इस दिशा में भी आवश्यक कार्रवाई कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना के कारणों का अभी स्पष्ट रूप से पता नहीं चल पाया है, लेकिन प्रारंभिक तौर पर यह आशंका जताई जा रही है कि वाहन किसी कारणवश नियंत्रण खो बैठा और नाले में जा गिरा।

हालांकि, वास्तविक कारणों का पता विस्तृत जांच के बाद ही चल सकेगा। पुलिस ने कहा है कि मामले की हर पहलू से जांच की जाएगी, ताकि सच्चाई सामने आ सके।

पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि अभी दो अन्य लोग लापता हैं, जिनकी तलाश के लिए अभियान लगातार जारी है।

श्रीराजमाता मंदिर में सात जोड़ों का सामूहिक विवाह संपन्न

स्वामी राजेश्वरानंद ने चार संतान पैदा करने वाले दंपत्तियों को एक लाख रूपये पुरस्कार देने की घोषणा की

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : श्री राजमाता झंडेवाला मंदिर में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में सात जरूरतमंद परिवारों की बेटियों का वैदिक रीति-रिवाजों से विवाह संपन्न कराया गया। इस अवसर पर स्वामी राजेश्वरानंद ने घोषणा करते हुए कहा कि जो हिंदू दंपत्ति अगले चार वर्षों में चार संतान पैदा करेंगे, उन्हें संस्थान की ओर से एक लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। साथ ही एक बच्चे की शिक्षा का पूरा खर्च भी संस्थान उठाएगा।

सदगुरु राजदरबार के प्रबंधक राम वोहरा ने बताया कि "कन्यादान महादान" अभियान के तहत लगातार जरूरतमंद परिवारों की कन्याओं के विवाह कराए जाते हैं।

इसी क्रम में दिल्ली, उत्तर प्रदेश और हरियाणा से आए सात परिवारों की बेटियों का विवाह वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच संपन्न कराया गया। समारोह में एक विधवा और एक तलाकशुदा जोड़े को भी नया जीवन शुरू करने का अवसर दिया गया।

मंदिर की महिला सेवादारों ने दूल्हों का तिलक और आरती से स्वागत किया। विवाह समारोह में वर-वधुओं ने जयमाला पहनाकर एक-दूसरे को स्वीकार किया, जिसके बाद पंडित श्री राम शर्मा ने वैदिक मंत्रों के साथ फेरे और सप्तपदी की रस्में पूरी कराईं।

नवविवाहित जोड़ों को विदाई के समय पलंग, अलमारी, कपड़े, बर्तन, गैस चूल्हा, आभूषण और अन्य घरेलू सामान उपहार स्वरूप दिए गए।

कार्यक्रम में पूर्व सांसद जय प्रकाश अग्रवाल, अमित शर्मा, संदीप लांबा, प्रियंका सक्सेना, रितेश सूजी, अनिल वशिष्ठ, ईश्वर बागड़ी, अविता चौधरी और कुसुम तोमर सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

स्वामी राजेश्वरानंद ने अपने संबोधन में कहा कि सनातन संस्कृति में विवाह का मुख्य उद्देश्य सृष्टि का विस्तार है। उन्होंने युवाओं से संतान उत्पत्ति को समाज और धर्म के प्रति जिम्मेदारी बताते हुए अधिक बच्चों के जन्म के लिए प्रेरित किया।

जंगी चक्क में चिट्टा सहित युवक गिरफ्तार, 5.71 ग्राम हेरोइन बरामद

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ : जम्मू-कश्मीर पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ अभियान जारी रखते हुए हीरानगर के जंगी चक्क इलाके में एक युवक को चिट्टा सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 5.71 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) जैसा नशीला पदार्थ बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार थाना हीरानगर की टीम ने जंगी चक्क लिंक रोड पर नियमित नाका लगाया हुआ था। जांच के दौरान एक युवक संदिग्ध हालत में आता दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रो. ककर तलाशी ली, जिसमें उसके पास से नशीला पदार्थ बरामद हुआ।

गिरफ्तार युवक की पहचान रंजा पुत्र नशर दीन निवासी सुनखाल तहसील डिंगा अंब हाल निवासी जंगी चक्क, हीरानगर के रूप में हुई है। इस मामले में थाना हीरानगर में एफआईआर

नंबर 51/2026 दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और नशे के नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश जारी है। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने लोगों से अपील की है कि नशे के खिलाफ अभियान में पुलिस का सहयोग करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ पुलिस ने कई क्षेत्रों में मनाया थाना दिवस

लोगों की समस्याएं सुनीं, नशा और अपराध रोकने में सहयोग की अपील

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ, जम्मू–कश्मीर पुलिस द्वारा पुलिस और जनता के बीच बेहतर संबंध स्थापित करने तथा लोगों की शिकायतों के समाधान के उद्देश्य से जिले के विभिन्न क्षेत्रों में "थाना दिवस" कार्यक्रम आयोजित किया गया।

यह कार्यक्रम थाना राजबाग के चन्नरोड़ियां, थाना लखनपुर के मग्गर खड्ड, थाना बसोहली के चुनेरा, थाना बिलावर के किशनपुर तथा थाना मल्हार के बडनोता क्षेत्र में आयोजित किए गए। कार्यक्रमों में संबंधित थाना प्रभारियों और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया। थाना दिवस में पंचायत प्रति. निधियों, समाजसेवियों और स्थानीय लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर अपनी समस्याएं पुलिस अधिकारियों के सामने रखीं।

लोगों ने नशा तस्करी, सीसीटीवी कैमरे लगाने, ट्रैफिक व्यवस्था, कानून व्यवस्था और नए आपराधिक कानूनों से जुड़े मुद्दे उठाए।

पुलिस अधिकारियों ने लोगों को सुरक्षा व्यवस्था के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि पुलिस से जुड़ी शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने कहा कि पुलिस और जनता के सहयोग से ही अपराध और नशे जैसी सामाजिक बुराइयों पर रोक लगाई जा सकती है। लोगों से नशा मुक्त समाज बनाने में सहयोग की अपील भी की गई।

जिला पुलिस प्रमुख मोहिता शर्मा ने कहा कि कठुआ पुलिस जनता के सहयोग से जिले में शांति, सुरक्षा और पारदर्शी पुलिस व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध

सीमा रेखाएँ फिर से खींची गईं; मजबूत हवाई और साइबर युद्ध क्षमताओं की आवश्यकता : ऑपरेशन सिंदूर से मिले सबक पर विशेषज्ञों की राय

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : विशेषज्ञों का कहना है कि ऑपरेशन सिंदूर ने न केवल आतंकवाद के कृत्यों के प्रति भारत की प्रतिक्रिया के संदर्भ में सीमा रेखा को फिर से परिभाषित किया है, बल्कि कुछ महत्वपूर्ण सैन्य सबक भी प्रदान किए हैं, जिनमें हवाई शक्ति का संयुक्त और समन्वित उपयोग, ड्रोन प्रौद्योगिकी को मजबूत करना और एक मजबूत संचार प्रणाली का निर्माण करना शामिल है।

ठीक एक साल पहले 6–7 मई की दरमियानी रात को शुरू की गई निर्णायक सैन्य कार्रवाई को याद करते हुए, कई रक्षा और रणनीतिक मामलों के विशेषज्ञों ने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि सैन्य अभियान ने इस बात पर भी जोर दिया कि भविष्य के संघर्ष न केवल हवाई क्षेत्र में, बल्कि साइबरस्पेस और सूचना और संज्ञानात्मक क्षेत्रों में भी होंगे।

और वास्तव में, भारतीय सेना न केवल लगभग चार दिनों तक चले संघर्ष के दौरान पश्चिमी सीमा के उस पार, लेह से लेकर सर क्रीक तक, कई चरणों में आने वाले शत्रुतापूर्ण ड्रोन हमलों का सामना कर रही थी, बल्कि एक गहन दुष्प्रचार अभियान का भी मुकाबला कर रही थी जिसका उद्देश्य सेना और जनता के मनोबल को नुकसान पहुंचाना था।

इस ऑपरेशन के दौरान भूमिका निभाने वाले एयर कमोडोर गौरव एम त्रिपाठी (सेवानिवृत्त) ने किसी भी संघर्ष के परिणाम को तय करने में हवाई शक्ति की महत्ता को स्वीकार करते हुए इस बात पर जोर दिया कि भविष्य में किसी भी स्थिति में, तीनों सेवाओं की ष्संयुक्त हवाई शक्तिष् का लाभ उठाया जाना चाहिए ताकि यह ष्सक्षम शत्रुष् के खिलाफ एकजुट होकर काम कर सके। "(ऑपरेशन) सिंदूर के दौरान, हमने पाकिस्तान द्वारा इस्तेमाल किए गए ड्रोनों की भारी संख्या देखी। उनमें से अधिकांश हानिरि. हत थे, जिनका उद्देश्य केवल भारतीय हथियारों और गोला–बारूद को निशाना बनाना था ताकि बाद में हमलावर ड्रोन आ सकें।" "लेकिन दुश्मन चालाक है। अगली बार वे और भी उन्नत ड्रोन भेजेंगे, जिन्हें जाम करना शायद और भी मुश्किल होगा३ उनकी नेविगेशन क्षमता बेहतर होगी, शायद उन्हें जीपीएस की जरूरत न पड़े, और उनमें इलेक्ट्रो–ऑप्टिकल होमिंग डिवाइस भी लगे हो सकते हैं। और वे शायद झुंड बनाकर एक साथ काम करेंगे," एयर कमोडोर त्रिपाठी ने पीटीआई को बताया।

भारतीय वायु सेना के पूर्व अधिकारी, जिन्होंने पिछले अगस्त में समय से पहले सेवानिवृत्ति ले ली थी, कई प्रकार के लड़ाकू विमान उड़ा चुके हैं और हॉक एमके 132 स्क्वाड्रन की कमान संभाल चुके हैं, साथ ही एक लड़ाकू विमान अड्डे के मुख्य संचालन अधिकारी के रूप में भी कार्य कर चुके हैं। उन्होंने ऑपरेशन से सीखे गए सैन्य सबक के बारे में कहा, ष्भारतीय वायु सेना में ड्रोन रोधी क्षमताओं में पहले से ही कुछ निवेश किया गया है, लेकिन ड्रोन रोधी क्षमताओं को वास्तव में विस्तारित करना होगा और सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं को कवर करना होगा।ष् पूर्व वायु अधिकारी ने भारतीय आकाश को सुरक्षित करने और दुश्मन को करारा झटका देने में एस–400 और आकाश हथियार प्रणालियों, ब्रह्मोस और अन्य मिसाइलों की प्रशंसा की, जिससे भारतीय लड़ाकू विमानों को अपनी भूमिका निभाने का अवसर मिला।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशकः राज कुमार द्वारा एम/एस डी. आर प्रिंटिंग प्रेस, बैन बजाल्ता, तहसील जम्मू से मुद्रित एवं नगरी पैरोल नगरी, जिला कठुआ, जम्मू और कश्मीर पिन.कोड नंः 184151 । संपादकः राज कुमार